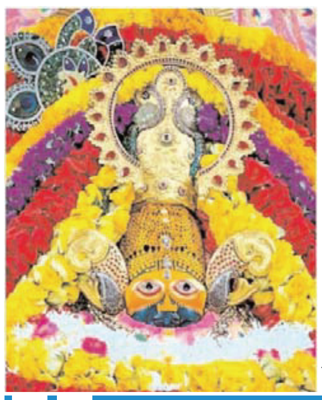

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:240। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 22 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

अमेरिका, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद भारत में कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। वहीं, कई देशों में ईंधन की कीमतों में 85 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई है। एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, कोटक द्वारा जारी आंकड़ों में भारत और अन्य विकसित व उभरते देशों के बीच बड़ा अंतर देखने को मिला है, जहां इस साल अब तक कई देशों में ईंधन की कीमतें काफी बढ़ी हैं, जबकि भारत में ऐसा नहीं हुआ। डीजल की बात करें भू-राजनीतिक तनावों के चलते हाल के महीनों में कई देशों में इसकी कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। देशों के हिसाब से देखें तो, यूएई में डीजल की कीमतें करीब 85 प्रतिशत बढ़ीं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में 65 प्रतिशत और 62 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, कनाडा, पाकिस्तान, फ्रांस, श्रीलंका और ब्रिटेन में कीमतें 35 से 53 प्रतिशत तक बढ़ीं। इसके अलावा, चीन और ब्राजील जैसे देशों में बढ़ोतरी थोड़ी कम रही, जबकि रूस में डीजल की कीमतें केवल 1 प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा बढ़ीं। इसके विपरीत, भारत में डीजल की कीमत जनवरी के स्तर पर ही 87.6 रुपए प्रति लीटर बनी हुई है, यानी

इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, भले ही अमेरिका-ईरान तनाव जारी है। पेट्रोल की कीमतों में भी ऐसा ही रुझान देखने को मिला। पड़ोसी पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम सबसे ज्यादा, यानी 44 प्रतिशत बढ़े। इसके बाद अमेरिका (42 प्रतिशत) और यूएई (36 प्रतिशत) का स्थान रहा। वहीं, कनाडा, श्रीलंका और चीन में पेट्रोल की कीमतें 34 प्रतिशत तक बढ़ीं, जबकि ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस में अपेक्षाकृत कम बढ़ोतरी हुई। कम बढ़ोतरी वाले देशों में ब्राजील और रूस शामिल हैं, जहां कीमतें क्रमशः 7 प्रतिशत और 1 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा बढ़ीं। भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमतें जनवरी के स्तर पर 94.7 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई हैं, यानी उपभोक्ताओं के लिए कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर रहना यह दिखाता है कि सरकारी नीतियों और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों (ओएमसी) की कीमत निर्धारण व्यवस्था ने कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद की है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका सीधा असर नहीं पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, पहली बार ऐसा हुआ है कि ईंधन कीमतों के डीरिगुलेशन के बाद सरकारी तेल कंपनियां रिफाइनरियों से पेट्रोल, डीजल, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और केरोसीन को कम कीमत पर खरीद रही हैं, ताकि खुदरा कीमतों को स्थिर रखने से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

एक अन्य रिपोर्ट मे ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी ने कहा कि अगर पेट्रोल-डीजल की कीमत 135-165 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहती है, तो भारत की तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोतरी से मार्केटिंग घाटा लगभग 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

आदि शंकराचार्य की शिक्षाएं आज भी दुनिया को दे रही हैं मार्गदर्शन : पीएम मोदी

'आदि शंकराचार्य भारत के महान आध्यात्मिक गुरुओं में से एक थे'

एजेंसी

नई दिल्ली । आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य भारत के महान आध्यात्मिक गुरुओं में से एक थे, जिनका ज्ञान और उनकी शिक्षाएं हमें सत्य, करुणा और सामूहिक कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, 'आदि शंकराचार्य की गहरी शिक्षाएं, विचार और अद्वैत वेदांत का दर्शन दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रास्ता दिखा रहा है। उन्होंने तालमेल, अनुशासन और सभी अस्तित्व की एकता पर जोर दिया। आध्यात्मिक विचारों को फिर से जगाने और पूरे देश में आध्यात्मिक केंद्र बनाने की उनकी कोशिशें हमेशा प्रेरणा बनी रहेंगी।' पीएम मोदी ने कहा, 'आदि शंकराचार्य का ज्ञान और शिक्षाएं हमारे मार्ग को निरंतर आलोकित

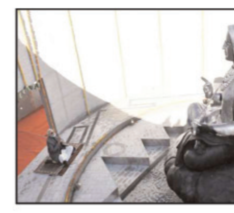

करती रहे और सत्य, करुणा तथा सामूहिक कल्याण के प्रति हमारे संकल्प को सुदृढ़ बनाए।' मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर उनको नमन करते हुए उनकी शिक्षाओं को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'अद्वैत वेदांत के प्रणेता, सांस्कृतिक एकता के सूत्रधार, महान दार्शनिक एवं रचनाकार, जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। उन्होंने भारत की चारों दिशाओं में पवित्र मठों की स्थापना कर सनातन धर्म को पुनर्जीवित किया। ज्ञान, तर्क और भक्ति की त्रिवेणी प्रवाहित कर राष्ट्र को एक नई चेतना प्रदान की। उनका संपूर्ण जीवन लोक कल्याण और सत्य के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता रहेगा।' वहीं, इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आदि शंकराचार्य को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'महान आध्यात्मिक गुरु और महान दार्शनिक, जगद्गुरु श्री आदि शंकराचार्य को उनकी जयंती पर मेरा प्रणाम!'

पारदर्शी व्यवस्था के तहत किसानों का गेहूं हर हाल में खरीदा जाएगा : शिवराज चौहान

चौहान ने विदिशा संसदीय क्षेत्र की गेहूं खरीदी की समीक्षा की

एजेसी

भोपाल । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को विदिशा संसदीय क्षेत्र की गेहूं खरीदी की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा है कि किसानों को किसी भी तरह की समस्या नहीं आना चाहिए और हर किसान का गेहूं हर हाल में खरीदा जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदिशा संसदीय क्षेत्र में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विदिशा, सांची, गंजबासौदा, बुधनी, भोजपुर, खातेगांव और इछावर समेत सभी आठ

विधानसभा क्षेत्रों के विधायक एवं संबंधित जिलों के कलेक्टर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीदी व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ पूरा समन्वय करते हुए सभी खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बारदाने की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग प्रणाली और किसानों की सुविधा से जुड़े हर पहलू पर सतर्कता बरती जाए। किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए और उपार्जन प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित, सरल और किसान हितैषी बनाया जाए।

'मिशन महा-विनाश' : 23 अप्रैल को सूरत के जिनालय पर हमले की बड़ी साजिश

ऑडियो लीक से खुला राज : हार्दिक हुड़िया गैंग ने तैयार की 200 गुंडों की फौज, मध्य प्रदेश से 'सुपारी' का खेल शुरू

महानगर मेट्रो का महा-खुलासा

सूरत। सूरत की पावन धरा पर 'श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय' के खिलाफ रचा गया षड्यंत्र अब अपने सबसे खतरनाक मोड़ पर पहुँच गया है। हार्दिक हुड़िया, जगत पारेख और विक्रम बाफना की त्रिमूर्ति ने अब केवल फिरौती तक ही सीमित न रहकर, सीधे धर्मस्थल पर हमले की खौफनाक योजना बनाई है। एक वायरल ऑडियो ने पूरे जैन समाज और प्रशासन की नींद उड़ा दी है, जिसमें आने वाली 23 तारीख को जिनालय पर हमला करने का काला प्लान डिकोड हुआ है।

ऑडियो लीक: मध्य प्रदेश से आ रहे हैं 'हमलावर'

महानगर मेट्रो को मिले इनपुट और वायरल ऑडियो के अनुसार:

* खूनी साजिश: मध्य प्रदेश से करीब 150 से 200 भाड़े के लोगों को सूरत बुलाने की तैयारी है।
* टारगेट: 23 अप्रैल को जिनालय के

निर्माण को ढहाने और वहां अशांति फैलाने का लक्ष्य रखा गया है।

* हताशा में हमला: जब मुनि भगवंतों के 'क्लीन चिट' मिलने के बाद हुड़िया गैंग की 2.5 करोड़ की फिरौती वाली चाल नाकाम हो गई, तो अब वे हिंसा पर उतारू हो गए हैं।

प्रशासन के लिए 'इमरजेंसी कॉल': अब चुप्पी क्यों?

गादीपति द्वारा मुनि भगवंतों को निर्दोष बताए जाने के बाद भी यह गिरोह आखिर किसके शह पर खुला घूम रहा है?

1.खुली चुनौती: क्या सूरत पुलिस और गुजरात सरकार इन 200 बाहरी हमलावरों को शहर की शांति भंग करने देगी?

2.जालसाजी का जाल: हार्दिक हुड़िया मुंबई में बैठकर डिजिटल टेररिज्म फैला रहा है, जबकि जगत पारेख और विक्रम बाफना जमीनी स्तर पर दंगों की जमीन तैयार कर रहे हैं।

3.मीडिया का मुखौटा: इस गैंग को संरक्षण देने वाली वह 'महिला पत्रकार' कौन है, जो अपराधियों की सूचनाएं इधर से उधर कर रही है

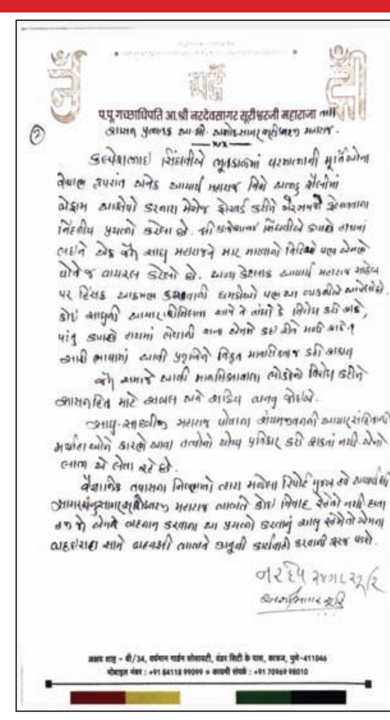

तत्काल कार्रवाई की मांग

* पर कड़ी निगरानी: मध्य प्रदेश से आने वाली बसों और वाहनों की सघन तलाशी ली जाए।
* हार्दिक हुड़िया की गिरफ्तारी: फिरौती मांगने और दंगा भड़काने की साजिश के तहत तुरंत वारंट जारी हो।
* जिनालय को सुरक्षा घेरा: 23 अप्रैल तक 'श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय' को पुलिस छावनी में तब्दील किया जाए।

ग्रुप एडिटर पवन माकन का 'अंतिम अल्टीमेटम'

'साजिशकर्ता कान खोलकर सुन लें-23 तारीख को जिनालय की एक ईंट की तरफ बढ़ने वाला हर कदम, तुम्हारी बर्बादी का आखिरी कदम होगा। 'महानगर मेट्रो' इस साजिश के हर एक किरदार को बेनकाब करेगा। अगर प्रशासन ने इन 'डिजिटल डकैतों' को साबरमती जेल नहीं भेजा, तो हम इस आवाज को दिल्ली के गलियारों तक ले जाएंगे। धर्म के अपमान की कीमत इस गिरोह को चुकानी ही होगी!'

महानगर मेट्रो का संकल्प:

'हम कलम से भी लड़ेंगे और धर्म की रक्षा के लिए ढाल भी बनेंगे।'

सूरत की अस्मिता और जैन समाज की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले इन 'सफेदपोश गद्दारों' का अंत अब निश्चित है।

ब्यूरो रिपोर्ट: महानगर मेट्रो न्यूज़ (SIT)

सत्य की जीत, अधर्म का विनाश!

श्रवण कुमार होंगे जदयू विधानमंडल दल के नेता

• नीतीश कुमार ने नाम पर लगाई मुहर

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लेते हुए वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार को विधानमंडल दल का नेता चुना है। इस निर्णय से पार्टी में उनकी भूमिका और प्रभाव दोनों में वृद्धि मानी जा रही है।

पार्टी की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विधानमंडल दल का नेता चुनने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके बाद उन्होंने श्रवण कुमार के नाम पर अंतिम मुहर लगाई। पार्टी ने उनका नाम विधानसभा सचिवालय को भेजा, जहां से आधिकारिक अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति की पुष्टि कर दी गई। हाल ही में श्रवण कुमार की सुरक्षा बढ़ाकर वाई प्लस श्रेणी में शामिल किया गया था, जो उनकी बढ़ती राजनीतिक अहमियत को दर्शाता है। वे नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी माने जाते हैं और उनके गृह जिले नालंदा से ही चुनाव जीतते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 69 वर्षीय श्रवण कुमार का राजनीतिक सफर तीन दशक से अधिक का रहा है। उन्होंने 1995 में पहली बार समता पार्टी के टिकट पर नालंदा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी और तब से लेकर अब तक लगातार सात बार विधायक चुने गए हैं। 1995 के चुनाव में समता पार्टी के मात्र सात उम्मीदवार जीत पाए थे, जिनमें श्रवण कुमार भी शामिल थे।

उन्होंने छात्र जीवन में ही जेपी आंदोलन के जरिए राजनीति में कदम रखा था। 1994 में जब नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस ने समता पार्टी का गठन किया, तभी से वे उनके करीबी सहयोगी रहे हैं। श्रवण कुमार ने 1995 और 2000 में समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता, बाद में पार्टी के जदयू में विलय के बाद वे लगातार जदयू से ही चुनाव जीतते रहे।

झारखंड को पांच साल बाद मिला लोकायुक्त

जस्टिस अमिताभ गुप्ता को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी

रांची । झारखंड को नया लोकायुक्त मिल गया है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को रांची स्थित लोक भवन के दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमिताभ कुमार गुप्ता को राज्य के लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। समारोह की शुरुआत में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने लोकायुक्त पद पर नियुक्ति से संबंधित वारंट पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव नितिन कुलकर्णी ने नवनियुक्त लोकायुक्त को शपथ के लिए आमंत्रित किया। झारखंड में लोकायुक्त का पद जून 2021 से खाली था और लगभग पांच वर्षों बाद इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर नियुक्ति हुई है। इससे राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। उल्लेखनीय है कि इसी महीने की शुरुआत में झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को लोकायुक्त सहित अन्य संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद 16 अप्रैल को राज्यपाल ने अमिताभ कुमार गुप्ता की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। नवनियुक्त लोकायुक्त अमिताभ कुमार गुप्ता का जन्म 31 मई 1959 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से

एलएलबी और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने 11 जून 1997 को बिहार उच्च न्यायिक सेवा में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में अपने न्यायिक करियर की शुरुआत की। वर्ष 2013 में उन्हें झारखंड हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और 30 मई 2021 को वे सेवानिवृत्त हुए।

बंगाल की कानून व्यवस्था ठीक करने के लिए बदलनी होगी सरकार: धर्मेंद्र प्रधान

'ममता बनर्जी लोगों के लिए काम नहीं किया है और उन्हें धोखा दिया है'

एजेंसी

बारानगर । पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बारानगर से भाजपा उम्मीदवार सजल घोष के समर्थन में चुनावी प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने भरोसा जताया कि बंगाल का माहौल भाजपा के पक्ष में है और बंगाल की कानून व्यवस्था को ठीक करने के लिए सरकार बदलनी होगी। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बंगाल में चुनाव निष्पक्ष तरीके से होने चाहिए. क्योंकि ममता बनर्जी के पैरों तले से जमीन खिसक गई है। उन्होंने लोगों के लिए काम नहीं किया है और उन्हें धोखा दिया है, इसलिए लोग उनके खिलाफ हो गए हैं। हार के डर से ममता बनर्जी घबरा गई हैं और संवैधानिक संस्थाओं को गालियां दे रही हैं। बंगाल में कानून-व्यवस्था अच्छी नहीं है, इसे ठीक करना होगा और सरकार बदलनी होगी। विपक्षी दलों द्वारा महिलाओं के आरक्षण का विरोध किए जाने पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ममता बनर्जी का जिक्र करते हुए कहा कि वे खुद एक महिला हैं, लेकिन वे नहीं चाहती हैं कि आधी आबादी को हक मिले। भाजपा महिलाओं को आरक्षण दिलाकर रहेगी। उन्होंने एक्स पोस्ट में बताया

कि बारानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सजल घोष के समर्थन में बारानगर में शोभा यात्रा के दौरान लोगों की जबरदस्त भागीदारी देखकर मैं बहुत अभिभूत हूं। सड़कों पर जो गर्मजोशी और पक्का इरादा दिखाई दे रहा है, वह बदलाव की बढ़ती चाहत को दिखाता है। एक ऐसा बदलाव जो गरिमा, सुरक्षा और जवाबदेह शासन पर आधारित है। टीएमसी द्वारा भाजपा के इरादों को गलत तरीके से पेश करने की बार-बार की कोशिशों के बावजूद पश्चिम बंगाल के लोग डर और फूट की राजनीति को लगातार नकार रहे हैं और ऐसे नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं जो उनकी उम्मीदों को समझता है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी: विष्णुदेव साय

एजेसी

रायपुर । पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताते हुए कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी के शासन से त्रस्त है। बदलाव की ओर जनता देख रही है, मुझे लगता है कि भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी। रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम साय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। मैंने स्वयं बंगाल जाकर चार विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन रैलियों में हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं में

भारी उत्साह है और लोगों में टीएमसी तथा ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ गहरा गुस्सा है। सीएम साय ने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। ममता बनर्जी के कार्यकाल पर तंज कसते हुए सीएम साय ने कहा कि 15 साल के टीएमसी शासन में कुछ भी नहीं हुआ। अब जनता परिवर्तन चाहती है। महिलाओं के आरक्षण पर उन्होंने कहा कि देश की माताओं-बहनों के साथ विपक्षी दलों ने बहुत बड़ा अन्याय किया है। पीएम मोदी 33 प्रतिशत आरक्षण देकर महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाना चाहते थे। लेकिन, विपक्षी दलों ने महिलाओं के हक को नहीं मिलने दिया। उन्होंने घोषणा की कि विधानसभा में इस मुद्दे पर निंदा प्रस्ताव पास किया जाएगा।

विजय का डीएमके और भाजपा पर हमला, खुद को बताया जनता की आवाज

एजेंसी

चेन्नई । तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने तमिलनाडु के लोगों से एक भावुक अपील करते हुए अपनी पार्टी के समर्थन में वोट देने को कहा है। 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने लोगों से 'सीटी' चुनाव चिन्ह पर वोट देने की बात कही। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने राज्य की जनता को संबोधित अपने एक विस्तृत बयान में कहा कि राजनीति में आने के बाद उन्हें लोगों से जो प्यार और समर्थन मिला है, उसके लिए वे दिल से आभारी हैं। उन्होंने बताया कि उनका यह राजनीतिक सफर आसान नहीं रहा। इसमें कई तरह की चुनौतियां, मुश्किलें और दर्द भी शामिल रहे, लेकिन जनता के प्यार ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की ताकत दी। उन्होंने अपने विरोधियों पर भी निशाना साधा। विजय ने सत्ताधारी पार्टी डीएमके को जनविरोधी ताकत बताया, वहीं बीजेपी पर भी आरोप लगाया कि वह समाज को बांटने वाली राजनीति

करती है। उन्होंने साफ कहा कि वे किसी भी तरह के दबाव या डर के आगे झुकने वाले नहीं हैं, चाहे वह राजनीतिक ताकतें हों या बड़े कॉर्पोरेट हित। विजय ने कहा कि उनके और जनता के बीच जो रिश्ता है, उसे कोई भी ताकत तोड़ नहीं सकती। उन्होंने अपनी पार्टी की बढ़ती ताकत का श्रेय दैवीय कृपा, महिलाओं और युवाओं को दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया भर में रहने वाले तमिल लोगों का भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी राजनीति किसी बड़े राजनीतिक ढांचे या सिस्टम के सहारे नहीं खड़ी हुई है, बल्कि आम जनता के समर्थन से आगे बढ़ी है। लोग उन्हें अपने जैसा मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। विजय ने मतदाताओं को सतर्क भी किया कि वे ऐसे नेताओं से सावधान रहें जो सिर्फ अपने फायदे के लिए राजनीति में आते हैं।

नंबरों की दौड़ में खोता बचपनः चांदखेड़ा की घटना से चेतावनी

पढ़ाई के दबाव ने छीनी बचपन की हंसीः अहमदाबाद में 9वीं की छात्रा लापता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. अहमदाबाद के चांदखेड़ा इलाके से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने अभिभावकों और शिक्षा व्यवस्था की नींद उड़ा दी है। पढ़ाई के बोझ और उम्मीदों के दबाव में आकर 9वीं कक्षा की एक छात्रा घर छोड़कर लापता हो गई है। जाने से पहले वह जो चिट्ठी छोड़ गई है, उसके शब्द किसी भी पत्थर दिल इंसान को झकझोरने के लिए काफी हैं।
यह घटना केवल एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

घटना का ब्यौराः एक खामोश चीख

दबाव की इंतहाः मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा पिछले कुछ समय से पढ़ाई को लेकर मानसिक तनाव में थी। परिजनों के मुताबिक, वह अपनी पढ़ाई को लेकर हमेशा चिंतित रहती थी।
भावुक सुसाइड नोट/चिट्ठीः छात्रा ने अपनी चिट्ठी में लिखा कि वह पढ़ाई के दबाव को और सहन नहीं कर पा रही है और अपनी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाने की वजह से यह कदम उठा रही है।
पुलिस और परिवार की तलाशः घटना के बाद से ही परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। चांदखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

समाज के लिए बड़ा सवालः शिक्षा या मानसिक प्रताड़ना?

आज के दौर में 'प्रतिस्पर्धा' के नाम पर बच्चों पर जो बोझ डाला जा रहा है, वह उनके बचपन को निगल रहा है।
1.मार्क्स बनाम मानसिक स्वास्थ्यः हम बच्चों की काबिलियत को सिर्फ उनकी मार्कशीट से तौल रहे हैं, जिससे उनमें 'असफलता का डर' घर कर जाता है।
2.संवाद की कमीः माता-पिता और बच्चों के बीच 'नंबरों' के बजाय उनके 'मन' की बात होना ज़रूरी है। क्या हमने कभी पूछा कि हमारा बच्चा खुश है या नहीं?
3.सपोर्ट की ज़रूरतः यदि बच्चा पढ़ाई में कमज़ोर है, तो उसे डांटने के बजाय उसे समझने और सहारा देने की ज़रूरत है।

महानगर मेट्रो का विशेष नज़रिया

शिक्षा जीवन को संवारने के लिए होती है, उसे बोझ बनाने के लिए नहीं। कोई भी परीक्षा या डिग्री किसी बच्चे की ज़िंदगी से बड़ी नहीं हो सकती। चांदखेड़ा की इस बेटी का लापता होना यह साबित करता है कि अब हमें अपनी परवरिश और शिक्षा पद्धति पर फिर से विचार करने की ज़रूरत है।
बच्चों को पंख दें, पर उड़ने के लिए उन पर पत्थर न बांधें। उम्मीद है कि वह बच्ची जल्द सुरक्षित अपने घर लौट आएगी।

' BJP उम्मीदवार के PI भाई पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट नगर निगम चुनाव के दौरान वार्ड नंबर 15 का सियासी पारा उस वक्त सातवें आसमान पर पहुंच गया, जब एक पुलिस अधिकारी की चुनावी मैदान में मौजूदगी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। आरोप लगा है कि सत्ता और वर्दी की हनक का इस्तेमाल मतदाताओं को डराने और एक खास पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए किया जा रहा है।

क्या है पूरा विवाद?

राजकोट के वार्ड नंबर 15 से भाजपा उम्मीदवार नीलेश हेरभा चुनाव लड़ रहे हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब उनके सगे भाई हरेश हेरभा, जो मोरबी में पुलिस इंस्पेक्टर (PI) के पद पर तैनात हैं, छुट्टी लेकर राजकोट पहुंचे।

ज़ कांग्रेस का सीधा हमलाः कांग्रेस उम्मीदवार वशराम सागठिया ने कलेक्टर और पुलिस के आला अधिकारियों को लिखित शिकायत दी है। सागठिया का आरोप है कि पीआई हरेश हेरभा अपने भाई के लिए घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं और मतदाताओं को पुलिसिया अंदाज में धमका रहे हैं।

आचार संहिता का उल्लंघनः शिकायत में कहा गया है कि एक सरकारी अधिकारी का सक्रिय राजनीति में दखल देना और चुनाव प्रचार करना आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है।

प्रशासन की बड़ी कार्रवाईः रद्द हुई छुट्टी

मामले की गंभीरता और कांग्रेस के आक्रामक रुख को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कदम उठाए हैं। 1.मोरबी एसपी का आदेशः मोरबी के पुलिस अधीक्षक (SP) ने तत्काल प्रभाव से पीआई हरेश हे?भा की छुट्टी रद्द कर दी है। 2.ड्यूटी पर वापसीः उन्हें बिना किसी देरी के मोरबी में अपनी ड्यूटी पर हाजिर होने का कड़ा निर्देश दिया गया है ताकि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनी रहे।

'काम' बनाम 'आरोप': भाजपा का पलटवार

दूसरी ओर, भाजपा उम्मीदवार नीलेश हेरभा ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि– 'मेरा भाई है, इसलिए मिलने आया हो सकता है, लेकिन वह किसी भी तरह के प्रचार में शामिल नहीं है। हमें चुनाव जीतने के लिए किसी पुलिस की मदद की ज़रूरत नहीं है, हम अपने विकास कार्यों के दम पर वोट मांग रहे हैं। '

महानगर मेट्रो का तीखा नज़रिया

लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव कराना चुनाव आयोग और प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। अगर वर्दीधारी अधिकारी अपने पद का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए करने लगें, तो जनता का सिस्टम से भरोसा उठ सकता है। राजकोट की यह घटना यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या

खाकी शर्मसार! जब 'रक्षक' ही बन गए 'भक्षक'

गांधीनगर में PCR वैन लेकर चोरी करने निकली पुलिस!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे पुलिस महकमे की साख पर बट्टा लगा दिया है। अब तक आपने चोरों को पुलिस की गाड़ी देखकर भागते देखा होगा, लेकिन गांधीनगर में पहली बार पुलिस खुद सरकारी PCR वैन लेकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने निकली। कानून के रखवालों की इस शर्मनाक करतूत ने न केवल जनता का भरोसा तोड़ा है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वारदात का पूरा ब्यौराः गश्त या चोरी का प्लान?

मिली जानकारी के अनुसार,

गांधीनगर पुलिस के कुछ जवानों ने अपनी ड्यूटी का फायदा उठाकर सरकारी वाहन (PCR) का इस्तेमाल गलत इरादों के लिए किया। PCR वैन का गलत इस्तेमालः रात के अंधेरे में शहर की सुरक्षा के लिए तैनात क्ष्ज्ञ्रक्र वैन का इस्तेमाल बंद दुकानों या सुनसान इलाकों में हाथ साफ करने के लिए किया जा रहा था।

पहली बार ऐसा मामलाः गुजरात पुलिस के इतिहास में संभवतः यह पहला ऐसा चौंकाने वाला मामला है, जहां पुलिस की गाड़ी का उपयोग चोरी के लिए 'ट्रांसपोर्टेशन' के तौर पर किया गया। पकड़ी गई चोरीः बताया जा रहा है कि संदिग्ध गतिविधियों के चलते जब आला अधिकारियों या स्थानीय लोगों को शक हुआ, तब इस पूरे खेल का पर्दाफाश हुआ।

विभाग में हड़कंप, जनता में गुस्सा

इस घटना के बाद गांधीनगर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने आनन–फानन में जांच के आदेश दिए हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग सवाल पूछ रहे हैं कि– 'अगर पुलिस ही चोरी करने निकलेगी, तो आम जनता अपनी फरियाद लेकर किसके पास जाएगी 'वर्दी की आड़ में इस तरह का अपराध माफी के लायक नहीं है।

यह उन ईमानदार पुलिसकर्मियों का भी अपमान है जो दिन–रात जनता की सेवा में लगे हैं।' एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की टिप्पणी गांधीनगर जैसी हाई–प्रोफाइल सिटी में, जहां सचिवालय और मंत्रियों के आवास हैं, वहां ऐसी घटना होना प्रशासन की बड़ी विफलता है। क्या सिर्फ निलंबन काफी है या इन 'खाकी धारी चोरों' के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो पूरे राज्य के लिए एक नज़ीर बने जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए?

जिसकी 'खामोशी' तेज़ होती है, उसकी मौजूदगी 'राज' करती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जब आपकी चुप्पी और आपकी मौजूदगी इतनी ताकतवर हो कि दूसरे इंसान को कुछ भी कहने से पहले सौ बार सोचना पड़े, तो समझ लीजिए कि आप सेल्फ-रिस्पेक्ट की सबसे ऊंची चोटी पर हैं।

शांति की गंभीरता जब आपकी पर्सनैलिटी बिना शब्दों के जज करती है

इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक वो जो चिल्लाकर अपना वजूद साबित करते हैं, और दूसरे वो जिनका ऑरा और शांति पूरा माहौल बदल देती है। 'शांति में इतनी गंभीरता' होने का मतलब है आपके अंदर वो रोक जो दूसरे इंसान को अपने आप हद में रखती है।

दर्शना पटेल, स्पोर्ट्स टीचर
(नेशनल अवॉर्ड विनर)

मौजूदगी में डिसिप्लिन का असर

राज करने के लिए किसी डंडे या चिल्लाने की ज़रूरत नहीं होती। जिस इंसान के विचार साफ़ हों और जिसका खुद पर कंट्रोल हो, उसकी मौजूदगी दूसरे इंसान के लिए एक 'अदृश्य लक्ष्मण रेखा' बन जाती है।
जब कोई अनुभवी टीचर या मिलिट्री ऑफिसर किसी कमरे में आता है, तो वह कुछ नहीं कहता, फिर भी चुप्पी छा जाती है। यह डिसिप्लिन उसके शब्दों में नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता में होता है। जो इंसान बार-बार गलती करता है और 'सॉरी' का खिलौना बनाता है, उसे बातों से समझाना बेकार है। वहां सिर्फ आपकी गंभीर शांति काम करती है। जब आप बहस करना बंद करके सिर्फ 'एकटक निगाह' रखकर चुप रहते हैं, तो दूसरे इंसान को अपनी गलती का सबसे ज़्यादा एहसास होता है। आपकी चुप्पी उसे बताती है कि 'अब तुम्हारी बातों का मुझ पर कोई असर नहीं होगा। ' जब जंगल में शेर शिकार के लिए निकलता है, तो वह दहाड़ता नहीं है। उसकी गंभीरता और जिस शांति से वह चलता है,

उससे पूरे जंगल को पता चल जाता है कि अब डिसिप्लिन में रहने का समय आ गया है। हालात चाहे जैसे भी हों, अपने चेहरे के हाव-भाव शांत रखें। ओवररिएक्ट करना कमजोरी की निशानी है। कम बोलें, ठीक से बोलें। जब आप बहुत कम बोलते हैं, तो आपका हर शब्द सोने जैसा हो जाता है। आपकी नज़र नरम लेकिन पक्की होनी चाहिए। सामने वाला आपकी आंखों में देखकर समझ जाए कि यहां किसी भी तरह की 'चाल' काम नहीं करेगी। अपनी चुप्पी को इतना गहरा बना लें कि दुनिया आपकी मुस्कान से भी डरने लगे। जो इंसान अपनी जुबान पर कंट्रोल रखता है, वह दुनिया के किसी भी इंसान को डिसिप्लिन में रख सकता है। आप शोर मचाकर ध्यान खींच सकते हैं, लेकिन इज्ज़त सिर्फ गंभीरता से मिलती है। जिसके सामने लोग अपना व्यवहार सुधारते हैं, वही असली पर्सनैलिटी है। गंभीर शांति का मतलब गुस्सा या घमंड नहीं है, बल्कि यह आपकी अंदर की ताकत का प्रदर्शन है। जो लोग बार-बार आपकी भावनाओं से खेलते हैं, उन्हें लड़कर नहीं, बल्कि अपनी गंभीरता और गहराई से सबक सिखाएं कि वे फिर कभी आपकी सीमाएं पार करने की हिम्मत न करें।

नमाज के 'हेल्थ बेनेफिट्स' गिनाना पड़ा भारी!

विवादों के घेरे में गुजरात की दिग्गज बिजनेसवुमन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर गलियारों तक सिर्फ एक ही नाम चर्चा में है–नमिता थापर (Namita Thapar) 'शार्क टैंक इंडिया' फेम और 'एमक्योर फार्मास्युटिकल्स' की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, जो मूल रूप से गुजराती मूल की हैं, एक ताजा वीडियो की वजह से विवादों के चक्रव्यूह में फंस गई हैं।
नमिता थापर ने अपने एक हालिया वीडियो में 'नमाज' के स्वास्थ्य लाभ (Health Benefits) के बारे में चर्चा की, जिसके बाद इंटरनेट दो गुटों में बंट गया है। कुछ लोग इसे उनकी उदार सोच बता रहे हैं, तो कुछ इसे 'प्रोपेगेंडा' करार दे रहे हैं।

विवाद की जड़ः क्या था वीडियो में?
नमिता थापर ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक एक्सपर्ट के साथ बातचीत के दौरान यह तर्क साझा किया कि नमाज के दौरान की जाने वाली शारीरिक मुद्राएं (जैसे रुकू और सजदा) शरीर के विभिन्न अंगों और मानसिक शांति के लिए फायदेमंद हो सकती हैं।
ज़ धार्मिक बनाम वैज्ञानिक बहसः वीडियो वायरल होते ही लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि क्या एक हेल्थ एक्सपर्ट और बिजनेसवुमन को धर्म को विज्ञान के चश्मे से जोड़ना चाहिए?
सोशल मीडिया पर 'बॉयकॉट' की गूंजः ट्विटर पर कुछ यूज़र्स ने इसे तुष्टीकरण की राजनीति बताया, जबकि अन्य ने उनके पुराने वीडियो साझा कर पूछा कि क्या उन्होंने अन्य धर्मों की पद्धतियों पर भी इसी तरह का शोध किया है?
गुजराती अस्मिता और वैश्विक पहचानः गुजरात से ताल्लुक रखने वाली नमिता अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन इस बार उनकी यह 'बेबाकी' उनके लिए सिरदर्द बनती दिख रही है।

तीखे सवालों की बौछार

विवाद बढ़ने के बाद अब नमिता थापर के ब्रांड और उनकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है किः
1.क्या यह वीडियो सिर्फ 'व्यूज' और 'रीच' पाने का एक जरिया था?
2.क्या नमाज जैसे धार्मिक कृत्य को केवल शारीरिक कसरत के तौर पर देखना सही है?
'इतिहास गवाह है कि जब-जब धर्म और विज्ञान को बिना ठोस आधार के मिलाया गया है, विवाद ही पैदा हुए हैं।' नेटिज़न्स की राय

हर्ष संघवी की मौजूदगी में धमकीः 'कांग्रेस जीती तो फूटी कौड़ी नहीं मिलेगी!'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की मंच पर मौजूदगी में एक सांसद ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं। विकास के वादों के बीच, मंच से मतदाताओं को सीधे शब्दों में धमकाते हुए कहा गया कि— 'अगर इस क्षेत्र से कांग्रेस जीती, तो एक रुपया भी ग्रांट (अनुदान) नहीं दिया जाएगा। 'इस बयान के बाद सियासी गलियारों में उबाल आ गया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या लोकतंत्र में जनमत का सम्मान विकास के नाम पर 'ब्लैकमेल' करके किया जाएगा?

मुख्य बिंदुः जो चर्चा का विषय बने

सत्ता का गुरूर या चुनावी रणनीति?: एक तरफ सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक मंच से विपक्षी पार्टी को वोट देने पर विकास कार्य रोकने की धमकी दी जा रही है।

हर्ष संघवी की चुप्पी पर सवालः जिस वक्त यह विवादित बयान दिया गया, राज्य के गृह मंत्री मंच पर ही आसीन थे। उनकी मौजूदगी में ऐसी भाषा का इस्तेमाल प्रशासन और सत्ता की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

मतदाताओं में भारी रोषः स्थानीय जनता के बीच इस बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया है। लोगों का कहना है कि टैक्स हम भरते हैं, तो विकास का पैसा किसी पार्टी की निजी संपत्ति कैसे हो सकती है?

चुनाव आयोग 'मौन' क्यों?

विपक्ष ने इस मामले को हाथों–हाथ लिया है। कांग्रेस का आरोप है कि यह आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) का खुला उल्लंघन है। मतदाताओं को डराना या लालच देना अपराध की श्रेणी में आता है। 'क्या चुनाव आयोग इस गुंडागर्दी पर स्वतः संज्ञान लेगा या फिर 'सत्ता की हनक' के आगे संवैधानिक संस्थाएं नतमस्तक रहेंगी?' —

लोकतंत्र में वोट देना नागरिक का मौलिक अधिकार है। विकास का बजट किसी नेता की जेब से नहीं, बल्कि जनता के पसीने की कमाई (टैक्स) से आता है। जीत और हार अपनी जगह है, लेकिन जनता को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने की धमकी देना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए 'कैंसर' के समान है। देखना यह है कि इस 'जुबानी जंग' का अंजाम क्या होता है? क्या जनता इस धमकी का जवाब बैलेट बॉक्स से देगी?

रवि किशन का 'जाल मूढ़ी' ज्ञानः

इतिहास या चुनावी सियासत का नया तड़का?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अक्सर अपने अंदाज़ और 'जिंदगी झंडवा, फिर भी घमंडवा' जैसे डायलॉग्स के लिए मशहूर गोरखपुर के सांसद और अभिनेता रवि किशन एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। लेकिन इस बार वजह कोई फिल्म नहीं, बल्कि उनका 'जाल मूढ़ी' (Jhalmuri) को लेकर दिया गया एक अजीबोगरीब बयान है।
रवि किशन ने जाल मूढ़ी के बहाने कुछ ऐसा 'इतिहास' परोसा कि देखते ही देखते सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई और बहस का बाज़ार गर्म हो गया।

क्या है पूरा मामला?

एक सार्वजनिक कार्यक्रम/इंटरव्यू के दौरान रवि किशन ने जाल मूढ़ी के महत्व और उसके अतीत को लेकर कुछ दावे किए, जिसे जनता ने हाथों-हाथ लिया–मगर सराहना के लिए नहीं, बल्कि सवाल उठाने के लिए।
इतिहास की नई परिभाषा?: सोशल मीडिया यूज़र्स पूछ रहे हैं

कि क्या अब खान-पान का इतिहास भी राजनीतिक रैलियों में तय होगा?
सोशल मीडिया पर दो फाड़ः जहां रवि किशन के समर्थक इसे उनकी सादगी और ज़मीनी जुड़ाव से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं आलोचक इसे 'तथ्यों की बलि' देना बता रहे हैं।
बंगाल बनाम यूपी-बिहारः जाल मूढ़ी, जो बंगाल की पहचान है, उस पर दिए गए बयान ने क्षेत्रीय अस्मिता की बहस को भी हवा दे दी है।

वायरल हुआ बयान, उड़े मजाक के गुब्बारे!

ट्विटर (X) और फेसबुक पर लोग रवि किशन के इस बयान को 'इतिहास का नया अध्याय' बताकर तंज कस रहे हैं। विपक्षी दलों ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि– 'सांसद जी को अभिनय और राजनीति के बीच अब इतिहास की क्लास लेने की भी ज़रूरत है। ' 'क्या जाल मूढ़ी अब सिर्फ नाश्ता नहीं, बल्कि राजनीतिक विचारधारा का हिस्सा बन गई है?' इंटरनेट पर वायरल एक यूजर का कमेंट
नेताओं के लिए जनता के बीच जाकर उनकी भाषा और उनके खान-पान की बात करना पुराना तरीका है। लेकिन जब बात 'इतिहास' की आती है,

सरकार का बड़ा फैसला, देशभर में असर

'शहर में विकास की नई लहर '

महानगर मेट्रो

चुनाव की रणभेरी बजते ही गली-कूचों में 'सेवा' की बाढ़ आ गई है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि चुनाव से ठीक पहले उमड़ने वाला यह प्रेम क्या वाकई जनसेवा है हकीकत यह है कि चुनाव के समय नाश्ते, पानी, शराब और नोटों के बंडल के नाम पर जो 'परोसा' जा रहा है, वह आपकी खुशियों को लूटने का बिछाया गया जाल है। याद रखें, आज का एक मुफ्त का भोजन, आपके भविष्य की पांच साल की रोटी छीन सकता है।एक दिन का लालच, पांच साल का वनवास
चुनावी मौसम में सक्रिय हुए स्वयंभू समाजसेवियों का गणित बहुत सीधा है 'आज खिलाओ, कल लूटो।' **क्षणभंगुर सुखः** वह नाश्ता, वह शराब की बोतल या चंद रुपयों की गड्डी एक दिन में खत्म हो जाएगी।
विकास पर ब्रेकः जब आप अपना मत बेचते हैं, तो आप उम्मीदवार को यह हक दे देते हैं कि वह जीतने के बाद आपके गांव की सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों के बजाय अपनी तिजोरी भरने की चिंता करे।

राजा जन्मेजय की पावन नगरी नागदा एक बार फिर धार्मिक आस्था, तप और सेवा के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। 13 माह की कठिन वर्षीतप साधना पूर्ण करने वाले आराधकों ने समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। तपस्वी सीए कमलनयन चपलोत (2 वर्षीतप पूर्ण), श्रीमती श्वेता कमलनयन चपलोत एवं कु. सुदीक्षा चपलोत (14 वर्ष) ने 20 अप्रैल 2026 को अपनी वर्षीतप तपस्या पूर्ण की। इस पावन अवसर को सेवा और समर्पण से जोड़ते हुए सिंधी कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन समता भवन स्थानक में वैयावच्च (सेवा कार्य) हेतु आवश्यक सामग्री देने की भव्य घोषणा की गई।
इस पुण्य कार्य के लाभार्थी श्रीमती सरिता जी-मनीष जी चपलोत परिवार रहे, जिन्होंने वर्षीतप आराधकों की तपस्या निमित्त लगभग ?1 लाख 11 हजार की सामग्री प्रदान करने का संकल्प लिया। इसमें पाट, चौकी, दरियां, घड़ी, कुर्सियां, धार्मिक साहित्य, अलमारी, डांडिया, आसन, मच्छरदानियां,

मुँहपत्ती, पठाने का पात्र (भाजन), माला, पूँजनी एवं शू-रेक जैसी उपयोगी वस्तुएं शामिल हैं। जैन समाज के मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा व नितीन बुडावनवाला ने बताया कि यह वही परिवार है जिसने पूर्व में भी समता भवन हेतु भूमि क्रय करने में ? 2 लाख 55 हजार का महत्वपूर्ण योगदान दिया था। चपलोत परिवार धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों में तो सक्रिय रहता ही है साथ ही नगर में नेत्रदान जैसे महत्वपूर्ण प्रकल्प में भी महती भूमिका निभा रहा है।
तपस्वी परिवार द्वारा यह दान एक स्पष्ट संदेश देता है कि तपस्या केवल आत्मकल्याण तक सीमित नहीं होती,

तस्वीर समाचार: अध्यात्म का मिलन-जैन आचार्यों ने बापू को भेंट की 'जैन रामायण'

तस्वीर: तखुभाई सांडसुर

महानगर मेट्रो

[पालीताना] गुजरात के पालिताना में प्रवाहित हो रही 'मानस शिव संकल्प' रामकथा के चौथे दिन आज सांप्रदायिक सौहार्द का एक अनुपम दृश्य देखने को मिला। कथा के प्रारंभ में अडीद्वीप संस्था के जैन आचार्य पूज्य हार्दिकसुरेश्वरजी महाराज के नेतृत्व में जैन आचार्यों का एक प्रतिनिधिमंडल व्यासपीठ पर उपस्थित हुआ। इस पावन अवसर पर जैन आचार्यों ने प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य मोरारी बापू को जैन रामायण ग्रंथ 'पोमचरियम' सादर अर्पण किया। बापू ने बड़े भाव से इस ग्रंथ को स्वीकार कर जैन परंपरा और रामकथा के बीच के गहरे आध्यात्मिक संबंधों को रेखांकित किया। संतों के इस मिलन ने पालिताना की धरा पर प्रेम और भाईचारे का संदेश प्रसारित किया है।

उम्र सिर्फ एक आंकड़ा है 66 साल के रिटायर्ड क्लर्क बने डिलीवरी पार्टनर, 10,000+ ऑर्डर पूरे कर रहे घूमने का सपना

महानगर मेट्रो

रिटायरमेंट के बाद जहां लोग आराम की जिंदगी चुनते हैं, वहीं कुछ लोग अपने सपनों को नई उड़ान देते हैं। ऐसी ही एक मिसाल पेश की है एक 66 वर्षीय पूर्व क्लर्क ने, जो आज 'ब्लिंकिट' (Blinkit) के सबसे भरोसेमंद डिलीवरी पार्टनर में से एक हैं। सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बाद घर बैठने के बजाय उन्होंने खुद को व्यस्त रखने और अपने 'ट्रेवल गोल्स' (घूमने के शौक) को पूरा करने के लिए यह रास्ता चुना। अब तक वे 10,000 से अधिक ऑर्डर डिलीवर कर चुके हैं। उनकी सादगी और लगन देख ग्राहक भी हैरान रह जाते हैं। उनका कहना है कि, 'काम कोई भी छोटा नहीं होता और मेहनत से कमाया हुआ पैसा सुकून देता है।' इस कमाई से वे दुनिया घूमने का अपना बरसों पुराना सपना पूरा कर रहे हैं। यह कहानी उन सभी के लिए सीख है जो मुश्किलों के आगे हार मान जाते हैं।

भाजपा युवा मोर्चा में सुनील सेन को जिला मंत्री का दायित्व, संगठन व युवाओं में हर्ष

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी ने अपने अनुसंगीक संगठनों से जुड़े सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन में नई जिम्मेदारियाँ सौंपते हुए युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने का सराहनीय कदम उठाया है। इसी कड़ी में बजरंगदल के पूर्व विभाग संयोजक रहे श्री सुनील सेन को भाजपा युवा मोर्चा में जिला मंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया गया है। इस नियुक्ति पर श्री सुनील सेन ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे संगठन की रीति-नीति के अनुसार युवाओं को जोड़कर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। श्री सेन पिछले लगभग 12 वर्षों से बजरंगदल में एक सक्रिय पदाधिकारी के रूप में कार्य करते रहे हैं और धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी विशेष भूमिका रही है। अब उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से जनसेवा करने की इच्छा व्यक्त की है। उनकी इस नियुक्ति से शहर सहित युवाओं में खुशी का माहौल है। बजरंगदल एवं अन्य धार्मिक संगठनों से जुड़े युवाओं ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर तनाव: दोस्ती के बीच 'कस्टम' की दीवार बालेन शाह सरकार के सख्त रुख से रक्सौल-बीरगंज बॉर्डर पर भारी बवाल

महानगर मेट्रो

भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने 'रोटी-बेटी' के संबंधों में इन दिनों भारी कड़वाहट देखने को मिल रही है। नेपाल के युवा प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा सीमा नियमों में किए गए बड़े बदलाव ने सीमावर्ती इलाकों में भारी उथल-पुथल मचा दी है। रक्सौल-बीरगंज सीमा पर स्थिति फिलहाल 'भाले अवनि' जैसी बनी हुई है, जहां सुरक्षा बलों और आम नागरिकों के बीच टकराव की खबरें आ रही हैं।

क्या है नया नियम

नेपाल सरकार ने भंसार राजस्व अधिनियम 2081 के तहत एक नया फरमान जारी किया है। अब भारत से नेपाल में प्रवेश करते समय यदि कोई व्यक्ति 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान साथ लाता है, तो उसे अनिवार्य रूप से कस्टम ड्यूटी (भंसार शुल्क) चुकानी होगी। बीरगंज सीमा पर नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (APF) द्वारा लाउडस्पीकर पर इस नियम की घोषणा की गई है।

आम जनता और व्यापारियों में हाहाकार

इस फैसले का सबसे बुरा असर नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले आम नागरिकों पर पड़ा है।

1. महंगाई की मार: नेपाल में दैनिक उपयोग की वस्तुएं काफी महंगी हैं, इसलिए वहां के लोग, विशेषकर महिलाएं, घरेलू सामान खरीदने के लिए बिहार के सीमावर्ती शहरों (जैसे रक्सौल) में आती थीं।
2. बजट पर वार: 100 रुपये की मामूली सीमा तय करने से अब नमक, चीनी और साबुन जैसी बुनियादी चीजों पर भी टैक्स देना पड़ रहा है।
3. सीमा पर झड़प: नेपाल की सशस्त्र पुलिस द्वारा सघन तलाशी ली जा रही है। सामान जब्त किए जाने और टैक्स वसूली को लेकर आम जनता और सुरक्षाकर्मियों के बीच आए दिन नोकझोंक और धक्का-मुक्की हो रही है।

महानगर मेट्रो का नज़रिया

भारत और नेपाल के बीच की सीमा हमेशा से खुली और मैत्रीपूर्ण रही है। ऐसे में महज 100 रुपये की सीमा तय करना न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि यह सामान्य नागरिकों के उत्पीड़न का जरिया भी बन सकता है। क्या बालेन शाह सरकार का यह सख्त रवैया नेपाल की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा या फिर भारत के साथ उसके पुराने रिश्तों में दरार को और गहरा कर देगा?

अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर असर

जानकारों का मानना है कि बालेन शाह सरकार का यह कदम आत्मनिर्भरता के नाम पर स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश है, लेकिन व्यावहारिक रूप से यह दोनों देशों के बीच के सहज व्यापार और भाईचारे के लिए घातक साबित हो रहा है। रक्सौल के व्यापारियों का कहना है कि इस नियम से सीमा पार के व्यापारिक रिश्ते ठप होने की कगार पर हैं।

तमिलनाडु का रण: क्या फिर चलेगा स्टालिन का जादू या 'थलापति' विजय बिगाड़ेंगे खेल

ओपिनियन पोल के रुझान: DMK बहुमत की ओर, BJP के लिए राह अब भी पथरीली

महानगर मेट्रो

[चेन्नई] दक्षिण भारत की राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र तमिलनाडु एक बार फिर चुनावी तपिश में झुलस रहा है। वर्तमान राजनीतिक हालातों और शुरुआती सर्वेक्षणों ने राज्य की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत करती दिख रही है।

सीटों का गणित: स्टालिन का पलड़ा भारी

ताजा आंकड़ों और राजनीतिक विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, DMK गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि राज्य की जनता अभी भी स्टालिन के 'द्रविड़ियन मॉडल' और उनके नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। सत्ता विरोधी लहर के बावजूद, क्षेत्रीय अस्मिता और जनकल्याणकारी योजनाओं ने ष्ठरूक्र को रेस में सबसे आगे रखा है।

'थलापति' विजय: सियासत में नया धमाका

इस बार के चुनाव में सबसे दिलचस्प पहलू फिल्म सुपरस्टार विजय की राजनीति में एंट्री है। शुरुआती रुझान विजय की पार्टी को 5 से 15 सीटें मिलने की संभावना जता रहे हैं। हालांकि यह आंकड़ा बहुमत के करीब नहीं है, लेकिन एक 'वोट कटवा' या 'किंगमेकर' के रूप में विजय, AIADMK और DMK दोनों के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं। उनकी रैलियों में उमड़ रही युवाओं की भीड़ भविष्य के नए राजनीतिक युग का संकेत दे रही है।

BJP के लिए चुनौतियां बरकरार

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (BJP) तमिलनाडु में अपनी ज़मीन तलाशने की पुरजोर कोशिश कर रही है। आक्रामक प्रचार के बावजूद, राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक राजनीति के कारण भाजपा के लिए दहाई का आंकड़ा छूना भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

महानगर मेट्रो: स्पेशल पॉलिटिकल रिपोर्ट

सियासत के दो ध्रुव: क्या फिर चलेगा ममता का जादू या बंगाल में खिलेगा 'कमल'?

बंगाल का रण: 'दीदी' की साख बनाम 'मोदी' का संकल्प

महानगर मेट्रो

[कोलकाता] पश्चिम बंगाल की धरती एक बार फिर राजनीतिक बारूद के ढेर पर खड़ी है। यहाँ की हवाओं में चुनावी शंखनाद गूंज रहा है और मुकाबला सीधा है—एक तरफ तृणमूल कांग्रेस (TMC) की सुप्रीमो ममता बनर्जी की वो 'सादगी' है जिसने सालों से बंगाल के जनमानस को बांधे रखा है, तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकास' की गारंटी और परिवर्तन की प्रचंड हुंकार है।

ममता की सादगी और क्षेत्रीय अस्मिता

ममता बनर्जी, जिन्हें बंगाल 'दीदी' के नाम से पुकारता है, उनके लिए यह लड़ाई केवल सत्ता की नहीं बल्कि अपनी विरासत को बचाने की है। अपनी हवाई चप्पल और सूती साड़ी वाली छवि के साथ दीदी एक बार फिर 'बंगाली अस्मिता' का दांव खेल रही हैं। केंद्र की नीतियों के खिलाफ उनका तीखा तेवर और 'मा-माटी-मानुष' का नारा आज भी ग्रामीण बंगाल में उनकी सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है।

कांटे की टक्कर: जनता के मन में क्या है

बंगाल की राजनीति कभी भी केवल 'वोट' तक सीमित नहीं रहती, यहाँ राजनीति एक जुनून है। एक तरफ दीदी की लोकलुभावन योजनाएं हैं, तो दूसरी तरफ केंद्र की बड़ी परियोजनाओं का वादा। क्या संदेशखाली और भ्रष्टाचार के आरोपों का असर दीदी के वोट बैंक पर होगा? या फिर बंगाल की जनता बाहरी बनाम भीतरी की लड़ाई में एक बार फिर अपनी 'बेटी' को ही चुनेगी?

?? मोदी का 'विकास' और 'परिवर्तन' का प्रहार

वहीं, भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने इस बार बंगाल की जड़ों में 'कमल' खिलाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पीएम मोदी का 'सोनार बांग्ला' का विजन और 'सबका साथ-साथ विकास' का नारा शहरी युवाओं और मध्यवर्ग को अपनी ओर खींच रहा है। बीजेपी का सीधा हमला बंगाल की कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर है, जिसे वे 'अन्याय से मुक्ति' का नाम दे रहे हैं।

महानगर मेट्रो का नज़रिया

बंगाल का चुनावी मिजाज भांपना हमेशा से मुश्किल रहा है। यहाँ का मतदाता मौन रहकर भी बड़ा उलटफेर करने की ताकत रखता है। स्टालिन की तरह दक्षिण में पकड़ हो या दीदी की पूर्व में धमक, दिल्ली का रास्ता इन्हीं गलियारों से होकर गुजरता है। इस बार का चुनावी नतीजा केवल राज्य का भविष्य ही नहीं, बल्कि 2029 की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

जुड़े रहिए 'महानगर मेट्रो' के साथ, हम पहुंचाते हैं आप तक बंगाल के हर बूथ की सटीक हलचल।

'डॉलर' के सपने ने किया कंगाल विदेश जाने की चाह में किसान ने गंवाए 64 लाख रुपये

कबूतरबाजों के जाल में फंसा अन्नदाता: जमीन बेची, गहने गिरवी रखे और आखिर में मिला सिर्फ धोखा

महानगर मेट्रो

गुजरात में विदेश जाने का क्रेज अब एक ऐसे 'जहर' में तब्दील होता जा रहा है जो हंसते-खेलते परिवारों को बर्बाद कर रहा है। ताजा मामला एक सीधे-साधे किसान का है, जिसकी विदेश जाकर पैसे कमाने की चाहत ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा। ऊंचे सपने दिखाकर शातिर एजेंटों ने किसान की मेहनत की कमाई के 64 लाख रुपये डकार लिए।

ठगी का तरीका: फाइलों का खेल और झूठे वादे

* सुनहरे भविष्य का लालच: शातिर एजेंटों ने किसान को झांसा दिया कि उसे आसानी से वर्क परमिट और वीजा मिल जाएगा। मोटी कमाई का लालच देकर उसे अमेरिका/कनाडा भेजने का सपना दिखाया गया।
* तिजोरी खाली, हाथ आए खाली: किसान ने अपने पुरखों की जमीन बेची और घर के जेवर तक दांव पर लगा दिए। एक-एक करके किस्तों में कुल 64 लाख रुपये लुटेरों की भेंट चढ़ गए।
* फर्जी वीजा और रफूचक्कर एजेंट: जब वीजा देने का वक्त आया, तो एजेंट ने टालमटोल शुरू कर दी और अंत में अपना फोन बंद कर फरार हो गया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित के पैरों तले जमीन खिसक गई।

कबूतरबाजी का बढ़ता जाल

गुजरात के ग्रामीण इलाकों में फर्जी इमिग्रेशन एजेंटों का जाल मकड़ी की तरह फैल चुका है। कानूनी रास्ते के बजाय 'डंकी' रूट या शॉर्टकट के चक्कर में फंसकर लोग न सिर्फ पैसा खो रहे हैं, बल्कि कई बार जान जोखिम में डालकर विदेशों की जेलों में भी सड़ रहे हैं।

'64 लाख रुपये केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह एक किसान के पूरे जीवन का संघर्ष और उसके परिवार का भविष्य था जिसे धोखेबाजों ने एक झटके में लूट लिया।' विदेश जाने का सपना देखना गलत नहीं है, लेकिन आंखें मूंदकर किसी को भी अपनी गाढ़ी कमाई सौंप देना बड़ी भूल है। फर्जी एजेंटों के लुभावने विज्ञापनों से बचें। हमेशा सरकारी मान्यता प्राप्त (Registered) एजेंटों के पास ही जाएं और हर लेनदेन का पक्का सबूत रखें।

याद रखें, शॉर्टकट हमेशा आपको मंजिल पर नहीं, बल्कि मुसीबत में ले जाता है।

जुबानी जंग में मर्यादा तार-तार खड़गे के 'आतंकवादी' वाले बयान पर मचा बवाल

विवाद बढ़ा तो कांग्रेस अध्यक्ष की सफाई: 'मेरा मतलब डराने-धमकाने वाली राजनीति से था '

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। देश की राजनीति में जुबानी हमलों का स्तर एक बार फिर निचले स्तर पर पहुंच गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई एक कथित टिप्पणी ने सियासी गलियारों में तूफान खड़ा कर दिया है। खड़गे के एक बयान को लेकर भाजपा ने उन पर चौतरफा हमला बोला है, जिसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष को अपनी बात पर स्पष्टीकरण देना पड़ा।

क्या है पूरा मामला?

एक जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना 'आतंकवादी' शब्द से कर दी। उनके इस बयान के बाद भाजपा ने इसे देश के प्रधानमंत्री और लोकतांत्रिक मर्यादा का अपमान बताया। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस हार की हताशा में मानसिक संतुलन खो चुकी है।

खड़गे का यू-टर्न और सफाई

बवाल बढ़ता देख खड़गे ने तुरंत सफाई पेश की। उन्होंने कहा, 'मैंने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आतंकवादी नहीं कहा। मेरे कहने का अर्थ यह था कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार विपक्षी दलों और आम लोगों को डराने-धमकाने की राजनीति करती है। वे केंद्रीय एजेंसियों का डर दिखाकर लोकतंत्र को कुचलना चाहते हैं। भाजपा मेरी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। '

भाजपा का पलटवार

भाजपा ने खड़गे की सफाई को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस की मानसिकता हमेशा से ही नकारात्मक रही है। 'मौत का सौदागर' से लेकर 'नीच' और अब 'आतंकवादी' जैसे शब्दों का प्रयोग यह दर्शाता है कि कांग्रेस के पास विकास के नाम पर बोलने के लिए कुछ नहीं बचा है।

वार्ड-14 में फूटा जनता का गुस्सा: 'वोट चाहिए तब नेता आते हैं, मुसीबत में मुंह छिपाते हैं'

ग्राउंड जीरो रिपोर्ट ; गंदगी, जलजमाव और 'गांडीवेल' से त्रस्त स्थानीय निवासी; नेताओं के विकास के दावों की खुली पोल

महानगर मेट्रो

[राजकोट] राजकोट नगर निगम चुनाव के लिए 26 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले 'महानगर मेट्रो' की टीम जब वार्ड नंबर 14 के गायत्रीनगर, गोपालनगर, मिलपरा और लक्ष्मीवाड़ी जैसे इलाकों में पहुंची, तो वहां का नज़ारा दावों से कोसों दूर मिला। यहाँ की जनता में नेताओं और प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि चुनाव आते ही हाथ जोड़ने वाले कॉरपोरेटर्स बाकी के सालों में लापता रहते हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट बदहाली की तस्वीरें

* नेताओं का 'वीआईपी' प्रेम: वार्ड वासियों ने तंज कसते हुए कहा कि यहाँ सफाई तभी होती है जब कोई विधायक या मुख्यमंत्री आने वाले हों। आम जनता के लिए प्रशासन की आँखें बंद रहती हैं।
* सड़कों पर कब्जा करती 'गांडीवेल': खाली प्लॉटों और जल स्रोतों में फैली गांडीवेल (जंगली वनस्पति) ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। इससे मच्छरों का आतंक और बीमारियाँ फैलने का खतरा बढ़ गया है।
* बारिश के पानी का भराव: बारिश न होने पर भी ड्रेनेज और जलजमाव की समस्या यहाँ स्थाई हो गई है। मिलपरा और लक्ष्मीवाड़ी की गलियों में गंदा पानी भरा रहना आम बात है, जिस पर प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा।

जनता की आवाज़: 'अब झूठे वादे नहीं चलेंगे'

महानगर मेट्रो से बात करते हुए एक बुजुर्ग निवासी ने कहा– 'चुनाव है इसलिए सफेद कुर्ते वाले यहाँ नज़र आ रहे हैं। पिछले पांच सालों में जब गंदा पानी घरों में घुस रहा था, तब कोई सुध लेने नहीं आया।' वहीं युवाओं का कहना है कि सिर्फ मुख्य सड़कों को चमका देने से विकास नहीं होता, असली विकास वार्ड की अंदरूनी गलियों की सफाई और बुनियादी सुविधाओं में है।

महानगर मेट्रो का तीखा सवाल

वार्ड नंबर 14 की यह तस्वीर राजकोट नगर निगम के स्वच्छता के दावों पर बड़ा तमाचा है। क्या कॉरपोरेटर्स का काम सिर्फ चुनाव जीतना है? क्या जनता की समस्याओं का समाधान केवल 'वीआईपी' दौरों तक ही सीमित रहेगा? 26 अप्रैल को होने वाला मतदान शायद इन नेताओं के लिए जनता का करारा जवाब साबित हो।

नेताओं की नींद उड़ाती वार्ड-14 की यह रिपोर्ट अब सत्ता के गलियारों में हलचल पैदा कर रही है।

टोंक में 'डेडलाइन VS बदहाली' की जंग: कलेक्टर सख्त, लेकिन बाजार बेहाल

पिंक टॉयलेट 15 दिन में पूरा करने का अल्टीमेटम, वहीं लेडीज बाजार में बुनियादी सुविधाओं का संकट

महानगर मेट्रो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। एक तरफ जिला प्रशासन विकास कार्यों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है, तो दूसरी तरफ शहर का सबसे प्रमुख लेडीज बाजार 'बड़ा तख्ता' आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यह विरोधाभास मंगलवार को साफ तौर पर सामने आया, जब जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जिलेभर में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया और लापरवाही पर कड़ा संदेश दिया।

व्यापारियों की सीधी मांग:

'अब सिर्फ आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए '

बड़ा तख्ता के व्यापारियों ने प्रशासन के सामने साफ मांग रखी,बाजार में तत्काल सार्वजनिक महिला शौचालय का निर्माण,आवारा पशुओं पर नियंत्रण और नियमित पकड़ अभियान बिजली व्यवस्था दुरुस्त कर स्पार्किंग की समस्या खत्म की जाएट्रांसफॉर्मर और वायरिंग की सुरक्षा जांच बाजार क्षेत्र में सफाई और बुनियादी ढांचे का सुधार

कलेक्टर का सख्त एक्शन: 'काम में ढिलाई नहीं चलेगी '

कलेक्टर ने अपने फील्ड विजिट की शुरुआत खेल स्टेडियम के पास बन रहे पिंक टॉयलेट से की। गुणवत्ता जांच के दौरान उन्होंने साफ निर्देश दिए–

15 दिन में हर हाल में निर्माण पूरा हो। इसके बाद उन्होंने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और ग्राम गहलोद में बन रहे संस्कृत कॉलेज का निरीक्षण किया, जहां

30 जून 2026 तक काम पूरा करने की डेडलाइन तय की गई। वहीं वजीरपुरा में बन रहे कामकाजी महिला छात्रावास की प्रगति की समीक्षा करते हुए नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। साफ संदेश: देरी और घटिया निर्माण अब बर्दाश्त नहीं। लेकिन हकीकत: 'लेडीज बाजार में महिलाओं के लिए टॉयलेट तक नहीं! ' जहां प्रशासन पिंक टॉयलेट की डेडलाइन तय कर रहा है, वहीं शहर का सबसे बड़ा महिला बाजार बड़ा तख्ता आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

संवाददाता से बातचीत में व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा– 'यह शहर का मुख्य लेडीज बाजार है, लेकिन यहां महिलाओं के लिए शौचालय तक नहीं है!' दूर-दराज से आने वाली महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिससे बाजार की छवि खराब हो रही है, ग्राहकों की संख्या प्रभावित हो रही है

सिर्फ शौचालय नहीं, खतरे भी 'ओपन'

व्यापारियों ने कई गंभीर समस्याएं गिनाईं–

आवारा सांडों का आतंक - लड़ते-लड़ते दुकानों में घुस जाते हैं, नुकसान होता है

बिजली खंभों में स्पार्किंग - कभी भी बड़ा हादसा संभव

ट्रांसफॉर्मर ब्लास्ट की घटनाएं - पिछले साल आग लगने से दहशत

संकरी गलियां, अव्यवस्थित ढांचा - आपात स्थिति में खतरा और बढ़ता है

धधकती धरतीः विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

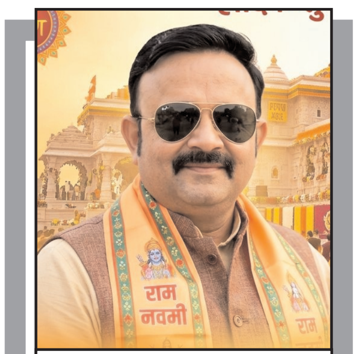

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

कांतिलाल मांडोत

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक ह्यस्पेस डेब्रिसह्ल के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है।

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है।

भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दशार्ता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने ह्यनेत्रह्ल परियोजना की शुरूआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

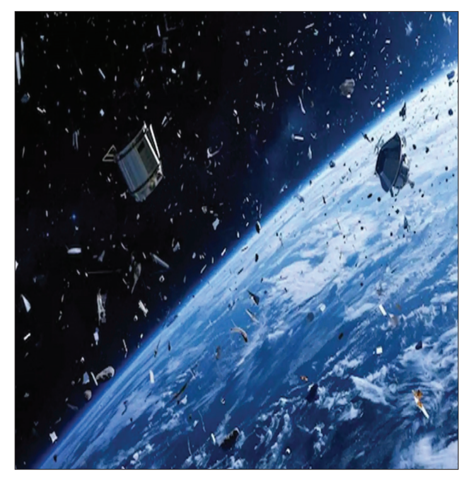

अंतरिक्ष में मलबे की समस्या केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मांग करती है। जैसे-जैसे अधिक देश और निजी कंपनियां अंतरिक्ष में प्रवेश कर रही हैं, यह जरूरी हो गया है कि सभी एक साझा नियम और जिम्मेदारी के तहत काम करें। अगर इस दिशा में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत और जोखिम दोनों बढ़ सकते हैं।

स्पेस डेब्रिस का बढ़ता खतरा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि अंतरिक्ष अब केवल खोज और विकास का क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी हो गई है। आने वाले वर्षों में सैटेलाइट्स की संख्या और बढ़ेगी, जिससे यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे नई तकनीकों और रणनीतियों के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में बढ़ता मलबा मानवता के लिए एक चेतावनी है। यदि हम समय रहते सतर्क नहीं हुए, तो यह हमारी सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सैटेलाइट की सुरक्षा अब केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी बन चुकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

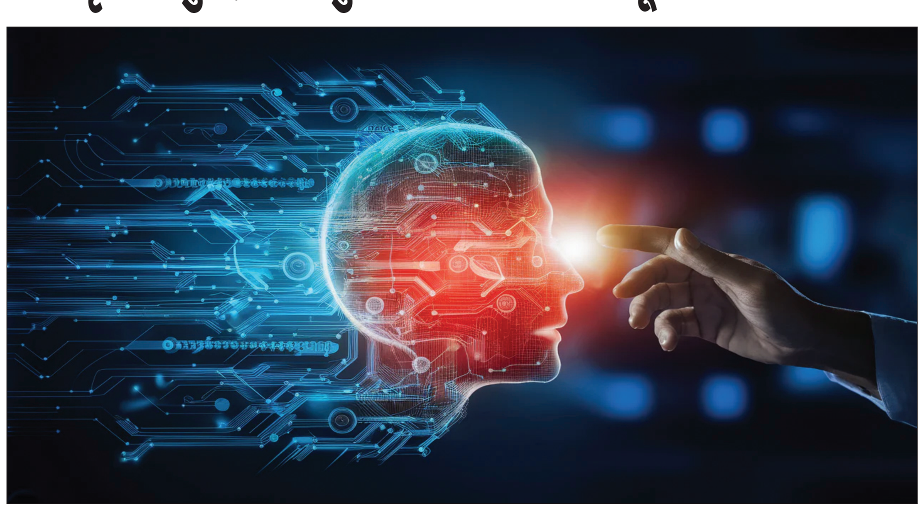

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

सहारनपुर में रंगदारी का खेल, यूट्यूब पर खनन की खबरें चलाकर क्रशर मालिकों से वसूली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर . यूपी के सहारनपुर के बेहट क्षेत्र में खनन कारोबारियों से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी पर यूट्यूब चैनल के जरिए भ्रामक खबरें चलाकर दबाव बनाने और पैसे वसूलने का आरोप है. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के थाना बेहट क्षेत्र में क्रशर मालिकों और पट्टाधारकों से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. 18 अप्रैल 2026 को दो अलग-अलग पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया, जिसमें सुरेन्द्र कुमार, प्रिंस, ईश्वरपाल, गौरव मिश्रा समेत अन्य अज्ञात लोगों को नामजद किया गया. आरोप है कि ये लोग खनन से जुड़े कारोबारियों को धमकाकर पैसे की मांग कर रहे थे, जिससे इलाके में डर का माहौल बन गया था.

जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी गौरव मिश्रा पहले एक चैनल में काम करता था, लेकिन किसी कारणवश नौकरी छूटने के बाद उसने अपना यूट्यूब चैनल बना लिया. आरोप है कि वह खनन से जुड़ी भ्रामक और उल्टी-सीधी खबरें चलाकर लोगों को ब्लैकमेल करता था और उनसे रंगदारी वसूलता था. इस तरह वह डर का माहौल बनाकर अवैध तरीके से पैसे कमाने में लगा हुआ था.

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गौरव मिश्रा को बेहट अड्डा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया. उसके कब्जे से एक ओप्पो मोबाइल फोन और 540 रुपये नकद बरामद हुए हैं. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया और मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है.

'आधी आबादी' के हक की लड़ाई में सड़क पर उतरे सीएम योगी, लखनऊ से जन आक्रोश महिला पदयात्रा की शुरुआत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ: महिला आरक्षण के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा मोड़ आता दिख रहा है, जहां 'आधी आबादी' के अधिकार को लेकर सियासी और सामाजिक दोनों स्तर पर माहौल बनाया जा रहा है। राजधानी लखनऊ से शुरू हुए इस अभियान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद नेतृत्व संभालते हुए स्पष्ट संकेत दिया कि महिला सशक्तीकरण अब सरकार और संगठन के एजेंडे के केंद्र में है। इस पहल के जरिए न सिर्फ महिलाओं को जोड़ने की रणनीति है, बल्कि विपक्ष के रुख को जनता के बीच मुद्दा बनाकर पेश करने की भी तैयारी है।

'जन आक्रोश महिला पदयात्रा'

राजधानी लखनऊ में 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' का आयोजन किया गया, जिसकी अगुवाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। सीएम आवास से शुरू होकर विधानसभा तक करीब दो किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में लगभग 15 हजार महिलाएं शामिल हुईं। मुख्यमंत्री के साथ दोनों डिप्टी सीएम, कैबिनेट मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी पैदल चले। भीषण गर्मी के बावजूद महिलाओं का उत्साह देखने लायक रहा। 'आधी आबादी का अधिकार' बनाकर पेश होगा महिला आरक्षण सरकार और संगठन ने तय किया है कि महिला आरक्षण को 'आधी आबादी का अधिकार' के रूप में जनता के बीच स्थापित किया जाएगा। इसके तहत ब्लॉक, मंडल और जिला स्तर तक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई जाएगी। महिला समूहों, स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संगठनों को जोड़कर इस अभियान को जनांदोलन का रूप देने की योजना है, ताकि गांव से शहर तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

विपक्ष पर सीधा प्रहार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि जिन दलों ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विरोध या टालमटोल किया, वे महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को रैलियों, जनसभाओं और घर-घर संपर्क अभियान के जरिए जनता के बीच ले जाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश में चार प्रमुख वर्ग महिलाएं, गरीब, युवा और किसान सरकार की प्राथमिकता में हैं और इन सभी के सशक्तीकरण के लिए लगातार काम किया जा रहा है। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल लखनऊ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बूथ, मंडल, ब्लॉक और जिला स्तर तक इसे विस्तार दिया जाएगा। इसके जरिए महिला मतदाताओं को जोड़ने और उनके मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की दिशा में काम किया जाएगा

15 हजार से ज्यादा महिलाएं शामिल

तेज धूप और गर्मी के बावजूद इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। रैली के दौरान जगह-जगह प्याऊ और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए महिला सम्मान और अधिकारों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य समेत कई नेताओं ने विपक्ष की नीतियों की आलोचना करते हुए महिला आरक्षण के समर्थन में अपने विचार रखे।

नोएडा के बाद दिल्ली-गुरुग्राम में श्रमिक हिंसा भड़काने की थी साजिश, पुलिस को 8 लड़कियों की तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए प्रदर्शनकारियों को जोड़ाजांच में सामने आया है कि आदित्य आनंद ने नोएडा में हुए श्रमिक प्रदर्शन के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई थी। वह लगातार प्रदर्शन स्थल के आसपास मौजूद था और श्रमिकों को भड़काने के लिए कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देता रहा। इतना ही नहीं, उसने तकनीकी माध्यमों का भी इस्तेमाल किया। आरोप है कि उसने क्यूआर कोड के जरिए कई व्हाट्सएप ग्रुप बनाए, जिनमें बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को जोड़ा गया और उन्हें संगठित किया गया। हिंसा भड़काने के लिए कई स्तरों पर हुई तैयारी? जांच में पता चला है कि हिंसा भड़काने के लिए तीन दिन से कई स्तरों पर तैयारी हो रही थी। सोशल मीडिया से लेकर औद्योगिक इलाकों में घूमते हुए कुछ लोगों ने पूरा माहौल तैयार किया। इसके पीछे तीन संगठनों के नाम सामने आए हैं, जिनमें 'मजदूर बिगुल दस्ता' प्रमुख है। पुलिस ने इस संगठन के प्रमुख रूपेश राय को गिरफ्तार करने के साथ ही श्रमिकों को भड़काने वाले 18 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त शैव्या गोयल ने बताया कि श्रमिकों के प्रदर्शन से पहले तीन दिन के भीतर 80 से अधिक व्हाट्सऐप ग्रुप तैयार किए गए, जिनमें से करीब 50 ग्रुप की जानकारी पुलिस को मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इनमें से 17 ग्रुप का सत्यापन किया गया है, जिनमें हिंसा भड़काने वाले संदेश साझा किए गए थे। पिछले दिनों नोएडा में हुए हिंसक श्रमिक प्रदर्शन के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस व जांच एजेंसियों ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि मुख्य साजिशकर्ता आदित्य आनंद के साथ हिंसा के समय कई महिला साथी भी मौके पर मौजूद थीं। जो श्रमिकों को लगातार तोड़फोड़ और आगजनी की कार्रवाई के लिए उकसा रही थीं। साथ ही उन्होंने इस हिंसा को दिल्ली, गुरुग्राम में भी भड़काने की साजिश रची थी। पुलिस और एसटीएफ ने हिंसा को भड़काने के लिए 8 लड़कियों की पहचान की है। इन सभी की तलाश जारी है। जांच एजेंसियों के अनुसार, नोएडा में हिंसा के दौरान यह महिलाएं श्रमिकों को भड़का रही थी। आदित्य आनंद के साथ-साथ पुलिस मजदूर बिगुल दस्ता से भी लड़कियों के संपर्क की जांच की जा रही है। दिल्ली में भी थी चक्का जाम करने की साजिश एजेंसियों को नोएडा हिंसा के आरोपी आदित्य आनंद और हिमांशु के लैपटॉप से पता चला है कि ये लोग लंबे समय से हिंसा भड़काने की साजिश रच रहे थे। आरोपी नोएडा के अलावा दिल्ली-गुरुग्राम में भी चक्का जाम करना चाह रहे थे। मुख्य साजिशकर्ता को पुलिस ने किया गिरफ्तार यूपी एसटीएफ ने इस हिंसा के मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल आरोपी आदित्य आनंद को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने उसे तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन से पकड़ा। आरोपी फरार चल रहा था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आदित्य आनंद का संबंध एक अल्ट्रा लेफ्ट संगठन से बताया जा रहा है।

राइटर मधु किश्वर के खिलाफ जाली कंटेंट फैलाने के आरोप में FIR, चंडीगढ़ पुलिस ने दिल्ली पहुंच दिया नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: राइटर मधु किश्वर के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी और भ्रामक सामग्री फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। अब चंडीगढ़ पुलिस ने उनके दिल्ली ऑफिस जाकर उन्हें नोटिस दिया है। चंडीगढ़ पुलिस ने मंगलवार को मधु किश्वर के दिल्ली ऑफिस पहुंचकर उन्हें नोटिस दिया। साथ ही उन्हें जांच में शामिल होने को कहा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, चूंकि कानून के अनुसार पुलिस को अंधेरा होने के बाद और सूर्योदय से पहले महिलाओं से मिलने या उन्हें गिरफ्तार करने की अनुमति नहीं है, इसलिए मैंने टीम के प्रमुख से फोन पर बात की। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी टीम चंडीगढ़ में मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में नोटिस देने आई है।'

इन धाराओं में दर्ज किया गया केस किश्वर और कुछ अन्य सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (धर्म, जाति, भाषा के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी, नफरत या दुर्भावना को बढ़ावा देने वाले कृत्यों को अपराध घोषित करना), 336 (1) (जाली दस्तावेज बनाना) और 356 (आपराधिक मानहानि) तथा आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत सेक्टर-26 पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

क्या है मामला?

चंडीगढ़ पुलिस द्वारा सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शहर के एक शिकायतकर्ता ने 19 अप्रैल को आरोप लगाया कि कुछ फर्जी और भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो क्लिप, जिनमें अश्लील टेक्स्ट और सामग्री है, विभिन्न सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की गलत पहचान बताई गई है। मामले की जांच जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह जानबूझकर अश्लील शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करके झूठा इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाने का कृत्य है, वह भी यह जानते हुए और यह मानने के पर्याप्त कारण के साथ कि पोस्ट भ्रामक और झूठे हैं और इसका उद्देश्य नुकसान या चोट पहुंचाना है।

शिकायतकर्ता के अनुसार एक संवैधानिक अधिकारी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को भंग करने के इरादे से प्रसारित किए गए वीडियो की जांच की जानी चाहिए और उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

दाढ़ी-लंबे बाल पर जुर्माना, महिलाओं के लिए जूड़ा अनिवार्य... लखनऊ के लोहिया संस्थान में अजीब फरमान;

लखनऊ. उत्तरप्रदेश के लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में आउटसोर्सिंग एजेंसी ने कर्मचारियों के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू किया है. दाढ़ी बढ़ाने, लंबे बाल रखने या वर्दी न पहनने पर भारी जुर्माना तय किया गया है. इस आदेश के बाद संस्थान के करीब 4000 कर्मचारियों ने नाराजगी जताते हुए इसे भेदभावपूर्ण करार दिया है.

लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की आउटसोर्सिंग एजेंसी ने हाल ही में अपने 4000 कर्मचारियों के लिए नए अनुशासन नियम जारी किए हैं. इन निर्देशों के तहत पुरुष कर्मचारियों के दाढ़ी रखने या लंबे बाल होने पर 200 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है. वहीं, महिला कर्मचारियों के लिए ड्यूटी के दौरान बालों में जूड़ा या हेयरनेट न पहनने पर भी 200 रुपये दंड का प्रावधान है. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई है ताकि संस्थान की मर्यादा बनी रहे. नियमों का उल्लंघन करने पर वेतन से कटौती और गंभीर मामलों में बर्खास्तगी की चेतावनी भी दी गई है.

आदेश के मुताबिक, ड्यूटी के दौरान आईकार्ड या नेमप्लेट न लगाने पर 100 रुपये और वर्दी न पहनने पर 200 रुपये प्रतिदिन जुर्माना लगेगा. कार्यस्थल पर सोने, धूम्रपान या शराब का सेवन करने पर 500 रुपये दंड के साथ एफआईआर तक की कार्रवाई हो सकती है. बिना सूचना के गायब रहने पर 500 से 2000 रुपये तक का जुर्माना तय है. इसके अलावा, कंप्यूटर ऑपरेटरों को ड्यूटी के दौरान अपने मोबाइल फोन जमा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं.

कर्मचारियों ने बताया मनमाना फसला

इस फरमान के सामने आते ही कर्मचारियों में उबाल है. उनका तर्क है कि केजीएमयू और पीजीआई जैसे बड़े संस्थानों में आउटसोर्स कर्मचारियों पर ऐसे नियम नहीं थोपे गए हैं. कर्मचारियों का कहना है कि यह निर्णय व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन और भेदभावपूर्ण है. वे इस आदेश को तुरंत वापस लेने की मांग कर रहे हैं. संस्थान में तैनात हजारों कर्मचारी अब इस आर्थिक दंड और सख्त पाबंदियों के खिलाफ एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन की रणनीति बना रहे हैं.

छोटे भाई ने की बड़े की हत्या, परिजनों ने 'कातिल' को भी मार डाला; जालौन में डबल मर्डर से सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामपुरा. जालौन के रामपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्देला मडैया गांव में सोमवार शाम को जमीन के टुकड़े के लिए खून के रिश्तों ने दम तोड़ दिया. जयनारायण चतुर्वेदी के मंझले बेटे जितेंद्र उर्फ अल्लू ने विवाद के दौरान अपने बड़े भाई कैलाश पर तमंचे से फायर कर उसकी जान ले ली. इस खौफनाक मंजर को देखकर पिता जयनारायण, छोटा भाई गुड्डू और मृतक कैलाश के बेटे हिंसक हो उठे. उन्होंने भागने की कोशिश कर रहे जितेंद्र को घेर लिया और लाठियों से पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया. सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. फिलहाल, पुलिस ने आरोपी पिता और छोटे भाई को हिरासत में ले लिया है.

जमीन के विवाद ने भाई को बनाया भाई का दुश्मन

मिर्जापुरा जागीर के निवासी जयनारायण चतुर्वेदी के तीन बेटों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर अनबन चल रही थी. सोमवार की शाम यही विवाद इतना गहरा गया कि जितेंद्र ने अपना आपा खो दिया और सगे बड़े भाई कैलाश पर सीधा फायर झोंक दिया. गोली लगते ही कैलाश लहूलुहान होकर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना ने पूरे परिवार के भीतर प्रतिशोध की आग भड़का दी.

जैसे ही कैलाश की सांसे थमीं, वहां मौजूद पिता जयनारायण और छोटा भाई गुड्डू बौखला गए. कैलाश के बेटों ने भी मिलकर अपने सगे चाचा जितेंद्र पर हमला बोल दिया. भाग रहे जितेंद्र को पकड़कर उस पर लाठियों की बरसात कर दी गई. सिर और शरीर पर लगी गंभीर चोटों के कारण जितेंद्र ने भी वहीं दम तोड़ दिया. एक ही समय में दो भाइयों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया.

पुलिस छावनी में तब्दील हुआ गांव, पिता-भाई हिरासत में

वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसपी जालौन विनय सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. गांव में व्याप्त तनाव को देखते हुए एहतियातन पीएसी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है.

एसपी ने बताया कि तात्कालिक विवाद में हुई इस दोहरी हत्या के बाद आरोपी पिता और भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से कानूनी जांच कर रही है.आंगन में बिछी दो लाशें: छोटे भाई ने की बड़े की हत्या, गुस्साए परिजनों ने 'कातिल' को भी मार डाला; जालौन में डबल मर्डर से सनसनी यूपी के जालौन जिले में जमीनी विवाद ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया. सगे भाई ने ही भाई का कत्ल कर दिया, जिसके बाद आक्रोशित पिता और भतीजों ने मिलकर हत्यारे भाई की भी जान ले ली. एक ही आंगन में दो सगे भाइयों की लाशें गिरने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है. जालौन के रामपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्देला मडैया गांव में सोमवार शाम को जमीन के टुकड़े के लिए खून के रिश्तों ने दम तोड़ दिया. जयनारायण चतुर्वेदी के मंझले बेटे जितेंद्र उर्फ अल्लू ने विवाद के दौरान अपने बड़े भाई कैलाश पर तमंचे से फायर कर उसकी जान ले ली. इस खौफनाक मंजर को देखकर पिता जयनारायण, छोटा भाई गुड्डू और मृतक कैलाश के बेटे हिंसक हो उठे. उन्होंने भागने की कोशिश कर रहे जितेंद्र को घेर लिया और लाठियों से पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया. सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. फिलहाल, पुलिस ने आरोपी पिता और छोटे भाई को हिरासत में ले लिया है. जमीन के विवाद ने भाई को बनाया भाई का दुश्मन मिर्जापुरा जागीर के निवासी जयनारायण चतुर्वेदी के तीन बेटों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर अनबन चल रही थी. सोमवार की शाम यही विवाद इतना गहरा गया कि जितेंद्र ने अपना आपा खो दिया और सगे बड़े भाई कैलाश पर सीधा फायर झोंक दिया. गोली लगते ही कैलाश लहूलुहान होकर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना ने पूरे परिवार के भीतर प्रतिशोध की आग भड़का दी. जैसे ही कैलाश की सांसे थमीं, वहां मौजूद पिता जयनारायण और छोटा भाई गुड्डू बौखला गए. कैलाश के बेटों ने भी मिलकर अपने सगे चाचा जितेंद्र पर हमला बोल दिया. भाग रहे जितेंद्र को पकड़कर उस पर लाठियों की बरसात कर दी गई. सिर और शरीर पर लगी गंभीर चोटों के कारण जितेंद्र ने भी वहीं दम तोड़ दिया. एक ही समय में दो भाइयों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया. पुलिस छावनी में तब्दील हुआ गांव, पिता-भाई हिरासत में वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसपी जालौन विनय सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. गांव में व्याप्त तनाव को देखते हुए एहतियातन पीएसी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है.

गोंडा में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी पर फायरिंग, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह को लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा : गोंडा जिले के परसपुर थाना क्षेत्र में सोमवार रात करीब 10 बजे भाजपा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह पर जानलेवा हमला हुआ. चुनावी रंजिश को लेकर गांव के ही कुछ लोगों से हुई कहासुनी के बाद उन्हें गोली मार दी गई. घटना उस वक्त हुई जब भूपेंद्र सिंह अपनी गाड़ी में बैठ रहे थे, गोली लगने के बाद उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई. इसके बाद परिजनों ने उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज और फिर बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया. वर्तमान में उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है.

घायल भूपेंद्र सिंह पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेहद करीबी माने जाते हैं. उनकी पत्नी परसपुर पंचम से जिला पंचायत सदस्य हैं. इस हमले के बाद इलाके में तनाव का माहौल है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की और साक्ष्य जुटाए. पुलिस रंजिश के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है.

आरोपियों की धरपकड़ के लिए 4 टीमें गठित

एसपी विनीत जायसवाल ने घटना के सफल अनावरण और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार विशेष टीमों का गठन किया है. पुलिस की ये टीमें संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दे रही हैं. पुलिस प्रशासन का दावा है कि जल्द ही हमलावरों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा. वारदात के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे.

कस्टडी में शख्स की मौत का सच क्या? दिल्ली पुलिस ने ये बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच रिपोर्ट में अनीश के शरीर पर किसी बाहरी चोट या मारपीट के निशान नहीं मिले. उस समय थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी इसकी पुष्टि की.

उत्तर-पश्चिम दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके के पुलिस स्टेशन में हिरासत के दौरान दिल्ली 34 साल के अनीश की मौत पर कई दावे किए जा रहे थे. अब इस पर दिल्ली पुलिस का बयान आ गया है. पुलिस का कहना है कि थाने में अनीश की तबीयत बिगड़ गई थी. उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी जान बचाई नहीं जा सकी. डॉक्टरों की शुरुआती जांच के मुताबिक उसकी मौत का कारण डिहाइड्रेशन है.

दरअसल रविवार तड़के भलस्वा डेयरी निवासी अनीश को गश्त कर रही पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर उठाया. वेरिफिकेशन के लिए उसे जहांगीरपुर थाने ले जाया गया. थाने में रहते हुए उसने असहजता की शिकायत की और उसे पानी दिया गया. हालांकि, उसकी हालत बिगड़ती गई और उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी.

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अनीश की बिगड़ती हालत को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (BJRM) अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

दिल्ली में अब पेड़ काटने वालों की खैर नहीं, शिकायत पर फौरन होगा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: दिल्ली में अब पेड़ों को नुकसान पहुंचाना भारी पड़ सकता है। सरकार ने नई व्यवस्था लागू की है, जिसमें आम लोग सीधे शिकायत कर सकेंगे और टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी। पेड़ों की कटाई और नुकसान को लेकर अब सरकार सख्त हो गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में सरकार ने पेड़ों से जुड़े अपराधों पर लगाम लगाने के लिए नई एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) लागू कर दी है। अब अगर कहीं पेड़ पर आरी चली, तो कार्रवाई भी उतनी ही तेजी से होगी। इसका मकसद पेड़ों को बचाना और नियम तोड़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह नई व्यवस्था दिल्ली प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रीज एक्ट 1994 की धारा 33 के तहत अधिसूचित की गई है। इस नए आदेश के बाद सरकार का कहना है कि अब अगर कहीं पेड़ काटा गया या नुकसान पहुंचाया गया, तो मामला दबेगा नहीं, बल्कि तुरंत ऐक्शन होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि अब आम लोग भी इस सिस्टम का हिस्सा बन गए हैं। अगर आपके इलाके में कोई पेड़ काट रहा है या उसे नुकसान पहुंचा रहा है, तो आप सीधे शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए टोल फ्री नंबर 1800118600 और ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है। 24 घंटे निगरानीसीएम ने कहा, एसओपी के अंतर्गत फील्ड स्तर पर एनफोर्समेंट को और अधिक सशक्त किया गया है। वन विभाग के अधिकारी, जिनमें बीट ऑफिसर और ट्री ऑफिसर शामिल हैं, उन्हें उल्लंघन रोकने के लिए आदेश जारी करने, उपकरणों को जब्त करने और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ तालमेल बनाने के अधिकार दिए गए हैं, जिससे पेड़ संरक्षण मामलों में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। 24 घंटे निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जहां हर शिकायत पर नजर रखी जाएगी।

QRT मौके पर पहुंचेगी

शिकायत मिलते ही क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) मौके पर पहुंचेगी। तुरंत कार्रवाई करेगी और जियो टैग फोटो वीडियो के जरिए सबूत भी जुटाएगी, ताकि बाद में कोई बच न सके। फील्ड में काम करने वाले अधिकारियों को भी अब ज्यादा ताकत दी गई है। वे मौके पर ही काम रुकवा सकते हैं,

मेरी बेटी बेटों से कम नही पिता ने घोड़ी पर बिठाकर निकाली बिंदौरी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माचलपुर: राजगढ़ जिले के माचलपुर में एक पिता ने अपनी बेटी की बिंदौरी निकाली है। दुल्हन बनी बेटी को घोड़ी पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाया है। इसकी अब पूरे जिले में चर्चा है। वहीं, दुल्हन का कहना है कि उस वक्त हमें रानी जैसी फीलिंग हो रही थी। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में एक पिता ने अपनी बेटी की शादी मिसाल की है। साथ ही यह साबित कर दिया है कि मेरी बेटी बेटों से कम नहीं है। राजगढ़ में पिता ने घोड़ी पर बिठाकर दुल्हन बेटी की बिंदौरी निकाली है। दुल्हन को घोड़ी पर देखकर लोग हैरान रह गए हैं। अभी तक यह यह रस्म दूल्हों के लिए होती थी। घोड़ी पर घुमाया जाता है गांव दरअसल, आम तौर पर शादी से कुछ दिन पहले गांव में बिंदौरी निकाली जाती है। पहले ये रस्म अधिकत्तर दूल्हों के लिए होती थी। जिसमें सजे-धजे रूप में घोड़ी पर दूल्हों का जुलूस निकालकर रिश्तेदार और दोस्त नाचते हुए उसे गांव में घुमाते हैं। लेकिन अब समाज में आए बदलाव के बाद अब बेटियों को भी बेटों से कम नहीं माना जा रहा है। पूरे इलाके में हो रही है चर्चा बदलते समय में राजगढ़ जिले के माचलपुर के डूंगरी गांव निवासी महेश पाटीदार ने अपनी बेटी शिवानी के विवाह के दौरान बिंदौरी निकाला है। साथ ही पूरे गांव में घोड़ी पर बैठकार जुलूस निकाला है। इस बिंदौरी की चर्चा गांव ही नहीं बल्कि पूरे जिले में हो रही है। मेरे पिता मेरा अभिमान हैं, उन्होंने मेरी शादी में कोई कमी नहीं रखी। उन्होंने दूल्हे की ही तरह घोड़ी, बैंड-बाजे का प्रबंध किया। साथ ही सभी तरह के पकवान बनवाए। मेरे पिता ने लाडो की तरह मुझे बड़ा किया है और लाडो ही तरह विदा किया है। शिवानी पाटीदार, दुल्हन रानी जैसा हुआ अनुभव दुल्हन शिवानी पाटीदार ने बताया कि मेरे-माता पिता से मैं बेहद प्यार करती हूं। उन्होंने कोई कमी मेरी शादी में नहीं रखी। घोड़ी पर बैठकर प्रोसेशन निकालना भी अपने आप में सुखद अनुभव रहा। रानी जैसी फिलिंग मुझे वहां बैठकर आई है। मेरी बेटी बेटों से कम नहीं दुल्हन के पिता महेश पाटीदार ने बताया कि पहले बेटियों को बेटों से कम माना जाता है। लेकिन अब समय में तेजी से बदलाव हो रहा है। आज की बेटियां कंधे से कंधे मिलाकर बेटों की तरह आगे बढ़ रही हैं। मेरी बेटी को भी मैंने बेटे की तरह ही पाला है। वो मेरे लिए बेटों से कम नहीं हैं। जमकर किया नृत्य बिंदौरी के दौरान दुल्हन शिवानी पाटीदार सजी-धजी घोड़ी पर सवार हुई। इस दौरान बिंदौरी में शामिल रिश्तेदारों और अन्य लोगों ने डीजे और ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। इसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

लेंसकार्ट ने 'तिलक-बिंदी' विवाद के बाद इन-स्टोर स्टाइल गाइड में किया बदलाव, अब सभी धार्मिक प्रतीकों की अनुमति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई: लेंसकार्ट कर्मचारियों के लिए 'स्टाइटल गाइड' पर मचे बवाल के बीच अब कंपनी ने बड़ा फैसला लिया है। लेंसकार्ट ने अब अपने इन-स्टोर स्टाइल गाइड का नया वर्जन जारी किया है। यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि कंपनी को पुरानी स्टाइल गाइड को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा था। कंपनी पर आरोप लगाए गए थे कि पुराने स्टाइल गाइड में बिंदी, तिलक, सिंदूर और कलावा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों को पहनने पर रोक लगाई गई थी। हिजाब पहनने की अनुमति दी गई थी।

लेंसकार्ट ने दी सफाई

यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया था। यूजर्स ने कंपनी पर धार्मिक भेदभाव का आरोप लगाया और उसके खिलाफ कई ट्वीट किए। बढ़ते विवाद के बीच कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि जो पॉलिसी ऑनलाइन शेयर की जा रही थी वो पुरानी थी और अब लागू नहीं है। कंपनी ने खुद एक्स पर इसकी जानकारी दी है। लेंसकार्ट ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंटर पर लिखा है कि हमने आपकी बात बिल्कुल साफ और खुले तौर पर सुनी है। पिछले कुछ दिनों में हमारे समुदाय और ग्राहकों ने अपनी बात रखी है। हमने उसे सुना है। आज, हम अपने 'इन-स्टोर स्टाइल गाइड' को स्टैंडर्डाइज़ कर रहे हैं और इसे सार्वजनिक रूप से और पूरी पारदर्शिता के साथ शेयर कर रहे हैं।

बिंदी-तिलक पर अब कोई रोक-टोक नहीं ये गाइडलाइंस साफ तौर पर और बिना किसी दुविधा के हमारे टीम मेंबर्स द्वारा अपनाए जाने वाले आस्था और संस्कृति के हर प्रतीक का स्वागत करती हैं। जैसे बिंदी, तिलक, सिंदूर, कलावा, मंगलसूत्र, कड़ा, हिजाब, पगड़ी, और भी बहुत कुछ। इन्हें किसी अपवाद के तौर पर नहीं बल्कि हमारी पहचान के तौर पर स्वीकार किया जाता है। लेंसकार्ट को भारत में, भारतीयों द्वारा और भारतीयों के लिए बनाया गया है। हमारे 2400 से ज्यादा स्टोर्स ऐसे लोगों द्वारा चलाए जाते हैं जो हर दिन काम पर अपने साथ अपनी आस्था, अपनी परंपराएं और अपनी पहचान लेकर आते हैं। यह ऐसी कोई चीज नहीं है जिसे हम कभी भी किसी से दरवाजे के बाहर छोड़ने के लिए कहेंगे।

अगर हमारे वर्कप्लेस कम्युनिकेशन के किसी भी रूप से किसी को ठेस पहुंची हो, या हमारे किसी भी टीम मेंबर को यह महसूस हुआ हो कि उनकी आस्था का यहां स्वागत नहीं है, तो हम इसके लिए दिल से माफ़ी चाहते हैं। लेंसकार्ट ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, और न ही हम कभी ऐसे बनेंगे।

लेंसकार्ट

पहले भी दी थी सफाई लेंसकार्ट के फाउंडर और सीईओ पीयूष बंसल पहले भी इस मामले पर सफाई दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि यह नीति दस्तावेज गलत था और कंपनी की मौजूदा गाइडलाइंस को नहीं दिखाता था। अपनी पहली सफाई के करीब 12 घंटे बाद बंसल ने ङ्ग पर एक और पोस्ट में बताया कि वायरल हो रहा दस्तावेज ट्रेनिंग का एक पुराना नोट था। उन्होंने माना कि यह कंपनी की एचआर की नीति नहीं है, और इसमें गलती से बिंदी/तिलक का जिक्र किया गया था, जिसे पहले ही हटा दिया गया था।

भाजपा विधायक संजय पाठक की बढ़ीं मुश्किलें, जज को फोन करने के मामले में अब हाई कोर्ट करेगा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कटनीः मध्य प्रदेश के सबसे अमीर विधायकों में शुमार और विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के लिए कानूनी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने और आपराधिक अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि इस केस की चाबी अब हाई कोर्ट के पास ही रहेगी।

क्या है पूरा विवाद?

पूरा मामला सितंबर 2025 का है, जब संजय पाठक की एक कंपनी के खिलाफ अवैध खनन का मामला हाई कोर्ट में लगा था। सुनवाई न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की बेंच में होनी थी, लेकिन सुनवाई से ठीक पहले जस्टिस मिश्रा ने खुद को केस से अलग कर लिया। उन्होंने अपने आदेश में एक सनसनीखेज खुलासा किया कि विधायक ने उनसे फोन पर संपर्क करने की कोशिश की थी। जस्टिस मिश्रा ने इसे न्यायिक निष्पक्षता पर प्रहार बताया और मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष भेज दिया। कोर्ट ने क्यों कहा-'हाईकोर्ट ही जाएगा' मामला जब देश की सबसे बड़ी अदालत पहुंचा, तो प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की बेंच ने कानून की मर्यादा स्पष्ट की। कोर्ट ने कहा कि चूंकि हाईकोर्ट ने इस मामले में खुद संज्ञान लेकर आपराधिक अवमानना का प्रकरण दर्ज किया है, इसलिए आगे की सुनवाई का अधिकार भी हाईकोर्ट का ही है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता आशुतोष दीक्षित को याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट में अपनी बात रखने की पूरी आजादी दी है।'फ्री हैंड' मिलने से बढ़ा सियासी पारासुप्रीम कोर्ट के इस रुख से साफ है कि वह उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता में दखल नहीं देना चाहता, खासकर तब जब मामला न्यायिक गरिमा से जुड़ा हो। अब जबलपुर हाई कोर्ट में संजय पाठक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ेगी। अगर आरोप सिद्ध होते हैं,

बंद कमरे में नीले ड्रम से बहता खून, तकिए पर भी छींटे...सतना में 11 साल के मासूम का मर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना के कोलगवां थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने पूरे शहर के रोंगटे खड़े कर दिए हैं. बैंक कॉलोनी के एक किराए के मकान में 11 साल के मासूम सूरज (उर्फ बादल) की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई. हत्यारे ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए मासूम का गला हसिया (हसुली) से काट दिया . पहचान छिपाने के लिए उसके शव को घर में ही रखे एक नीले रंग के प्लास्टिक के ड्रम में भरकर ऊपर से कपड़े ठूंस दिए. दीवारों और तकिए पर खून के छींट घटना का खुलासा तब हुआ जब मासूम की माँ और बहन काम से घर लौटीं और काफी तलाश के बाद भी बच्चा कहीं नहीं मिला. घर का ताला बंद होने और अन्दर से कूलर चलने की आवाज़ आने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई. पुलिस की मौजूदगी में जब ताला तोड़ा गया, तो भीतर का नजारा देख हर कोई दहल गया. घर की दीवारों और तकिए पर खून के छींटे बिखरे हुए थे और ड्रम से बहते खून ने मौत की खौफनाक दास्तान बयां कर दी.

मासूम सूरत अभी हाल ही में पांचवीं कक्षा पास कर नई उम्मीदों के साथ छठी कक्षा में कदम रखने वाला था, लेकिन उससे पहले ही एक सरफिरे ने उसकी जीवनलीला समाप्त कर दी गई. इस जघन्य हत्याकांड का मुख्य संदिग्ध मथुरा रजक बताया जा रहा है, जो पास में ही प्रेस (इस्त्री) की दुकान चलाता है. परिजनों का आरोप है कि मथुरा मृतक की मां पर जबरन शादी का दबाव बना रहा था और मना करने पर उसने रंजिशवश इस मासूम को अपना निशाना बनाया लिया. आरोपी की तलाश में दबिश जारी घटना के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की तीन अलग-अलग टीमें लगातार दबिश दे रही हैं. मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.पुलिस अधिकारी ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया है जिसपर मामले की गहन जांच जारी है.वहीं इस दिल दहला देने वाली घटना से पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है. पूरे घटनाक्रम से अब सतना में सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

मृतक की मां आशा ने बताया कि जब मैं काम से घर लौटी, तो घर का ताला लगा हुआ था. अंदर लाइट और पंखा चल रहा था. उन्होंने अपने बेटे बादल को बहुत ढूंढा, लेकिन वह कहीं नहीं मिला. फिर उन्होंने अपनी बड़ी बेटी और दुकान के पास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी को कुछ पता नहीं था. अक्सर गुस्से में रहता था आरोपी महिल को शक हुआ कि मथुरा रजक, जो अक्सर गुस्से में रहता था वह बच्चे को कहीं ले गया होगा. उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई. जब पुलिस के साथ घर का ताला तोड़ा गया,

कारोबारी के घर में 'चोरों' की तरह घुसी पुलिस, कवर्ड से 22 तोला सोना गायब होने का आरोप, SI समेत पांच सस्पेंड

हानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर. पुलिस के कारनामे एक बार फिर से सवालों के घेरे में है। एक कारोबारी ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मी उनके घर में चोरों की तरह घुसे और 22 तोला सोना गायब कर दिया है। इस मामले में पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक बार फिर पुलिस विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में पदस्थ एक एसआई समेत कुल पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने एक रिटायर्ड एसीपी के प्रॉपर्टी विवाद को सुलझाने के नाम पर एक व्यवसायी के घर में अवैध तरीके से घुसकर न केवल मारपीट की, बल्कि घर में रखा करीब 22 तोला सोना भी गायब कर दिया। कारोबारी ने पुलिसकर्मियों पर लगाए गंभीर आरोप मामले में पीड़ित व्यवसायी गौरव जैन ने पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। गौरव के मुताबिक पुलिसकर्मियों ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए और मास्टर चाबी की मदद से मुख्य दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद घर में रखे 22 तोला सोना गायब कर दिया गया।

एक अप्रैल से हुई घटना की शुरुआतघटना की शुरुआत 1 अप्रैल से बताई जा रही है। आरोप है कि लसूड़िया थाने में पदस्थ एसआई संजय विश्नोई के साथ रणवीर कुशवाह, प्रणीत भदौरिया, दिनेश गुर्जर और दीपेंद्र मिश्रा ने मिलकर इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। गौरव जैन का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट भी की और उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लेकर ग्वालियर तक ले गए। वहां एक निजी गेस्ट हाउस में उन्हें रिटायर्ड एसीपी से जुड़े लोगों के हवाले कर दिया ग,या जहां उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। पैसे वसूलने के आरोप इतना ही नहीं पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि एक पुलिसकर्मी ने उनसे जबरन पैसे भी वसूले। गौरव के अनुसार कुल 27 हजार रुपये उनसे लिए गए, जिसमें 10 हजार रुपए होटल में क्यूआर कोड के माध्यम से जमा करवाए गए जबकि 17 हजार रुपये उनके बेटे के खाते में ट्रांसफर करवाए गए। एक साल से शिकायत फिर भी कार्रवाई नहीं व्यवसायी का कहना है कि वह पिछले करीब एक साल से इस मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से कर रहे थे लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार 16 अप्रैल को उन्होंने पूरे मामले से जुड़ी रिकॉर्डिंग और सबूतों के साथ इंदौर पुलिस कमिश्नर और डीसीपी को शिकायत सौंपी। इसके बाद मामला गंभीरता से लिया गया और जांच शुरू की गई।

शिकायत में लगाए गए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलंबित किया गया है। पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अमरेंद्र सिंह, एडिशनल डीसीपी एसीपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई जांचमामले की जांच एसीपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। इसके साथ ही अमरेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस के पास संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कुछ लंबित प्रकरण और वारंट की जानकारी थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई थी। पुलिस अधिकारियों का यह भी कहना है कि जिस व्यक्ति को पकड़ने के लिए टीम गई थी। उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी जांच के दायरे में है और उसके पुराने मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है।

भोपाल-रामगंजमंडी रेल प्रोजेक्ट ने पकड़ी रफ्तार, 2027 तक तैयार होगी 276 चरूलंबी नई रेल लाइन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल: मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच व्यापार और आवाजाही को नई रफ्तार देने वाली भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन अब अपने मुकाम के करीब है। 3,035 करोड़ की लागत वाला यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट साल 2027 तक पूरी तरह चालू हो जाएगा। 276 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन के बन जाने से भोपाल, सीहोर और राजगढ़ जैसे जिलों की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी।

5 जिलों की बदलेगी किस्मत

यह रेल लाइन मध्य प्रदेश के भोपाल, सीहोर और राजगढ़ को राजस्थान के झालावाड़ और कोटा जिले से सीधे जोड़ेगी। प्रोजेक्ट का 187 किलोमीटर का हिस्सा पहले ही तैयार हो चुका है। भोपाल रेल मंडल के तहत निशातपुरा डी केबिन से श्यामपुर तक का 42 किमी का काम पूरा है, वहीं कोटा मंडल ने रामगंजमंडी से राजगढ़ तक 145 किमी की पटरी बिछा दी है। अब केवल 89 किमी का पैच (ब्यावरा-सोनकच्छ-नरसिंहगढ़-कुरावर) बाकी है, जिसे 2026-27 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

पहाड़ों के बीच से गुजरेगी ट्रेन

यह प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग का एक बेमिसाल नमूना है। 276 किमी के इस ट्रैक पर 4 बड़ी सुरंगें, 4 बड़े पुल, 34 मुख्य पुल और 171 अंडरपास बनाए जा रहे हैं। 27 स्टेशनों वाला यह रूट न केवल यात्रियों के लिए आरामदायक होगा, बल्कि मालगाड़ियों के लिए भी गेम-चेंजर साबित होगा।

यह लाइन कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी, माल ढुलाई को सुव्यवस्थित करेगी और क्षेत्र में रोजगार एवं औद्योगिक विकास को गति देगी। : सौरभ कटारिया, सीनियर डीसीएम

समय और पैसा दोनों की होगी भारी बचत

इस नई लाइन के शुरू होने से दूरी में भारी कटौती होगीः

कोयला परिवहनः झालावाड़ के कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयला ले जाने वाली गाड़ियों को अब 42 किमी कम दूरी तय करनी होगी।

लंबी दूरी की ट्रेनेंः जयपुर से दक्षिण भारत जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनें अब वाया कोटा-रामगंजमंडी-भोपाल होकर जाएंगी, जिससे 115 किलोमीटर की दूरी और करीब 3 घंटे का समय बचेगा।

मुंबई में पानी के छींटे पर बवाल, TMC सांसद यूसुफ पठान के ससुर-साले सहित तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई. के भायखला इलाके में एक छोटा सा सड़क का झगड़ा अचानक इतना बढ़ गया कि मामला पुलिस तक पहुंच गया और अब इसमें गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं. मामला पानी के छींटे से शुरू हुआ था, लेकिन कुछ ही मिनटों में ये बहस से मारपीट में बदल गया. इस मामले में पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के ससुर खालिद खान, उनके बेटे उमरशाद और एक अन्य रिश्तेदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोप है कि इन लोगों ने एक शख्स और उसके परिवार पर लाठियों और बेसबॉल बैट से हमला किया.

पूरी घटना शनिवार रात करीब 9 बजे की है. यूसुफ खान नाम का एक शख्स अपनी गाड़ी से घर लौट रहा था. सड़क पर होने की वजह से कार का पहिया उसमें गया और गंदा पानी सड़क पर खड़े शोएब खान पर जा गिरा. यूसुफ ने इंसानियत दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोकी और शोएब से माफी भी मांगी, लेकिन शोएब का गुस्सा सातवें आसमान पर था. उन्होंने न सिर्फ गाली-गलौज की बल्कि बांस की लकड़ी से कार का शीशा भी तोड़ दिया और यूसुफ खान के साथ मारपीट शुरू कर दी.

कुछ देर बाद यह मामला यहीं नहीं रुका. बताया जा रहा है कि यूसुफ खान अपने परिवार के साथ पुलिस स्टेशन जा रहे थे, तभी रास्ते में उनकी मुलाकात दूसरे पक्ष के लोगों से हो गई. इसी दौरान दोनों तरफ से फिर बहस शुरू हो गई और मामला और गंभीर हो गया. पुलिस के अनुसार, इस दौरान TMC सांसद यूसुफ पठान के ससुर खालिद खान, उनके बेटे उमरशाद खान और एक अन्य रिश्तेदार शहबाज पठान भी मौके पर मौजूद थे. आरोप है कि बहस बढ़ने के बाद बांस की लाठियों और बेसबॉल बैट से हमला किया गया. इस हमले में कई लोग घायल हुए. यूसुफ खान के साले का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि एक अन्य रिश्तेदार को भी गंभीर चोटें आई. हालांकि, पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया. एक आरोपी फिलहाल फरार बताया जा रहा है. सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 2 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. वहीं दूसरी तरफ बचाव पक्ष का कहना है कि यह मामला दोनों तरफ से हुए झगड़े का है और पुलिस ने एक ही पक्ष की बात को ज्यादा आगे रखा है. उनका दावा है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला किया. फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और बरामद सामान के आधार पर आगे की जांच कर रही है. .

साथ रहने की जिद पर अड़ी थी शादीशुदा प्रेमिका, मिलने बुलाकर फेंक दिया नहर में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना. महाराष्ट्र में जालना जिले के अंबड तहसील से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां अपनी विवाहित प्रेमिका को साथ रखने की जिद से परेशान विवाहित प्रेमी ने उसे जायकवाड़ी की बाईं नहर में धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया. यह सनसनीखेज घटना अंबड तहसील के नालेवाड़ी शिवार इलाके में सामने आई है. इस मामले में गोंदी पुलिस थाने में हत्या का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां उसे 21 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है. मृत महिला की पहचान 40 साल की सुरेखा नंदकिशोर आन्वीकर के रूप में हुई है. वहीं आरोपी की पहचान 48 साल के बाबासाहेब छगन राठोड के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, मृतका और आरोपी के बीच पिछले कुछ वर्षों से प्रेम संबंध थे. दोनों की मुलाकात एक काम के दौरान हुई थी, जिसके बाद दोनों लगातार संपर्क में थे. महिला अपने पति का घर को छोड़कर आरोपी के साथ रहने की जिद पर अड़ी थी. लेकिन आरोपी पहले से शादीशुदा होने के कारण उसे अपने साथ रखने से बच रहा था. इसी बात को लेकर दोनों के बीच लगातार विवाद हो रहा था. बताया जा रहा है कि आरोपी बाबासाहेब राठोड़ महिला को अपनी बाइक पर बैठाकर नालेवाड़ी शिवार स्थित जायकवाड़ी की बाईं नहर के पास ले गया. वहां महिला ने फिर से उसके साथ रहने की जिद की. आरोपी को डर था कि महिला उस पर दबाव बनाए रखेगी और उसका पारिवारिक जीवन भी प्रभावित होगा. इसी वजह से उसने पहले से साजिश रची और मौका देखकर महिला को बहती नहर में धक्का दे दिया. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. शुरुआत में मामला आत्महत्या का लग रहा था, लेकिन पुलिस जांच में यह हत्या निकली. मृतका के पति नंदकिशोर जगन्नाथ आन्वीकर की शिकायत पर गोंदी पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया. बताया जा रहा है कि वारदात के बाद आरोपी खुद पुलिस थाने पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी दी. इसके बाद पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया. मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अशोक खरात कर रहे हैं. फिलहाल पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है और दोनों के बीच पुराने संपर्कों की भी जांच की जा रही है. इस वारदात से अंबड तहसील में सनसनी फैल गई है.

नासिक में हिंदू महिलाओं को नौकरियां देकर शोषण, NGO मामले के खुलासे के बाद भड़के शिवसेना नेता संजय निरुपम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबईः महाराष्ट्र के नासिक स्थित टीसीएस कंपनी की बीपीओ यूनिट मे महिलाओं के शोषण पर अब राजनीति गरमाती जा रही है। स्थानीय बीजेपी विधायक देवयानी फरांदे के प्रोटेस्ट के बाद अब शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बड़ा बयान दिया है। सोमवार को शिवसेना के प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि जब नासिक टीसीएस का मामला सामने आया, तो हमने कहा था कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। इसके पीछे एक बहुत बड़ा नेटवर्क है, एक बहुत बड़ा सिंडिकेट है। नासिक में हिंदू महिलाओं को नौकरियां दी गईं और उन्हें नौकरियां देने के बहाने उनका शोषण किया गया। महिलाओं पर थोपा धार्मिक उत्पीड़न संजय निरुपम ने कहा कि इस सब के बाद उन पर धार्मिक उत्पीड़न थोपा गया। निरुपम ने कहा कि अब नासिक की ही तरह नागपुर में एक ह्लतह्व से जुड़ा मामला सामने आ रहा है, जहां कथित तौर पर हिंदू महिलाओं का शोषण किया जा रहा है और धार्मिक उत्पीड़न हो रहा है। गौरतलब हो कि इससे पहले बीजेपी के नेता और मंत्री नितेश राणे ने नासिक टीसीएस मामले को कॉरपोरेट जिहाद बताया था। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि अगर ऐसा है तो वहीं इसकी जड़ तक जाकर जांच करवाएंगे

मणिपुर में कांपी धरती, 5.2 तीव्रता का आया भूकंप, सो रहे लोग घरों से आए बाहर

-जापान में भूकंप के बाद कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची दिखी सुनामी लहरें

इम्फाल (एजेंसी)। मंगलवार तड़के मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं दूसरी ओर जापान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र की लहरों ने तटीय इलाकों में दस्तक दी है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक मंगलवार सुबह 5:59 बजे मणिपुर के कामजोंग जिले में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 62 किलोमीटर नीचे था। सुबह के समय आए इन झटकों से लोग डरकर घरों से बाहर आ गए। फिलहाल राज्य के किसी भी हिस्से से नुकसान की कोई खबर नहीं है। वहीं दूसरी ओर जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि इवाते प्रांत के कुजी बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी देखी गई। शाम 4:53 बजे आए भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 7 में से 5 के ऊपरी स्तर पर दर्ज की गई और इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पिछले एक सप्ताह से इसी तरह के भूकंपों की चेतावनी जारी की थी। जापानी मौसम एजेंसी ने होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के प्रशांत तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और तत्काल 3 मीटर तक ऊंची लहरों के आने का पूर्वानुमान लगाया है। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया।

'आई-पैक' ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेजा, तरह-तरह के उठ रहे सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के मुताबिक इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को कुछ दिन ही बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान होना है। चुनाव प्रचार मंगलवार को खत्म हो गया। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में आईपैक एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। टीएमसी भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं।

दिल्ली में शराब के बाद गुजरात में हवाला कांड में फंस सकती आम आदमी पार्टी

श्रीनगर(एजेंसी)। सूरत,(ईएमएस)। गुजरात के सूरत जिले में सामने आए कथित हवाला मामले ने आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट से राहत मिलने के बाद जहां मामला हाई कोर्ट में पहुंच चुका है, वहीं अब गुजरात से एक नया विवाद सामने आया गया है। सूरत पुलिस ने दावा किया है कि एक बड़े हवाला रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें पार्टी के कुछ पदाधिकारी शामिल हैं और जांच की आंच बड़े नेताओं तक भी पहुंच सकती है। पुलिस ने हवाला मामले में आकाश मिश्रा और अजय तिवारी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों हवाला नेटवर्क के जरिए पैसे के लेनदेन में शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह नेटवर्क कथित तौर पर दिल्ली से संचालित हो रहा था और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश होने की भी आशंका जाहिर की गई है। सूरत पुलिस की जांच में देखा जा रहा है कि क्या इन पैसों का उपयोग गुजराज की पटेल सरकार के खिलाफ माहौल बनाने और सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने के लिए किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिश्रा पहले सत्येंद्र जैन के साथ काम कर चुका है और कई राज्यों—दिल्ली, हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में सक्रिय रहा है। आरोप है कि हवाला के जरिए मिले पैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को देते थे, ताकि वे गुजरात सरकार के विरोध में माहौल तैयार करें और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दें। इस मामले में आयकर विभाग ने भी जांच शुरु की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि आरोपियों ने सूरत के महिधरपुरा इलाके में एक अंगड़िया से कई बार 15-20 लाख तक की रकम प्राप्त की।

कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग... 75 से 80 मरीजों को बाहर निकाला गया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मशहूर आनंदलोक अस्पताल में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने अस्पताल की कई मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से करीब 75 से 80 मरीजों को बाहर निकालकर पास की इमारतों में पहुंचाया गया।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

-उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

आईएमडी के मुताबिक इस साल अप्रैल के तापमान में एक नया ट्रेंड देखने को मिला है। बीते सालों में जहां अप्रैल की शुरुआत में ही गर्मी का भयानक कहर शुरू हो जाता था, इस बार गर्मी का असर देर से महसूस हुआ है। साल 2026 में अप्रैल महीने में 16 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 17 अप्रैल को यह बढ़कर 41.0 डिग्री पहुंच गया था। वहीं, साल 2025 में अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था।

नई दिल्ली (सफदरजंग) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में अप्रैल महीने का सबसे ज्यादा तापमान 43.5 डिग्री रहा, जो 29 और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। वहीं, नई दिल्ली (पालम) में पिछले पांच सालों में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 44.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो 30 अप्रैल 2022 को रिकॉर्ड हुआ था। बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। ज्यादा पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में हीटवेव की संभावना है। पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ इलाकों में 24 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 23 अप्रैल के आसपास एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय तक पहुंचेगा, हालांकि इसका असर मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की प्रबल संभावना है, और कुछ स्थानों पर तापमान 44डिग्री तक पहुंच सकता है।

नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है: आचार्य प्रमोद

-देश में सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं-बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

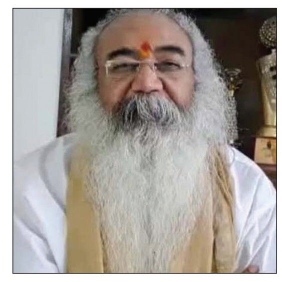

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

-याचिकाकर्ता की मंशा पर जताई शंका, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के आरोप नहीं माने

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए।

यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के इरादों पर सवाल उठाए। अदालत ने संकेत दिया कि इस तरह की याचिकाएं जनहित के नाम पर दाखिल की जाती हैं, लेकिन उनके पीछे वास्तविक उद्देश्य संदिग्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि मोहन भागवत की सुरक्षा को जून 2015 में बढ़ाकर जेड प्लस श्रेणी में किया गया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी। इससे पहले उनकी सुरक्षा महाराष्ट्र पुलिस के पास थी। उल्लेखनीय है कि उन्हें पहली बार 2012 में तत्कालीन यूपीए सरकार के दौरान जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई थी, जब सुशील कुमार शिंडे देश के गृहमंत्री थे।

तमिलनाडु चुनाव: स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल !

-डीएमके गठबंधन को 120 से 140 तो एआईएडीएमके को मिल सकती है 90 सीटें

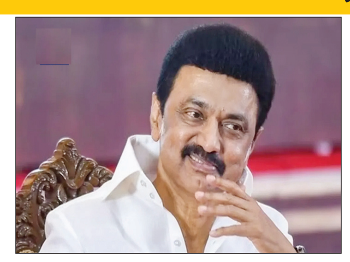

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल दिख रहा है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। रिपोर्ट के मुताबिक तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके का कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) का खाता नहीं खुला था। स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला को एक हजार रुपए महीने दिया। ये पैसा करीब एक करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है। सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही सक्रिय रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमके को सौंप दिया है।

केदारनाथ मंदिर कमेटी का फैसला...न मोबाइल, न फोटो, और न ही वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बनाएंगे

देहरादून। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए मंदिर समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। समिति के सदस्य विनीत पोस्टी के अनुसार, श्रद्धालु मंदिर के अंदर मोबाइल नहीं ले जा सकते और न ही फोटो, वीडियो या इंस्ट्राग्राम रील बना पाएंगे। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, जिसमें सजा का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में दर्शन का अनुभव कराना है। देहरादून से मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर समिति ने सभी यात्रियों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है ताकि धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे। वहीं, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत यात्रा मार्गों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और स्थायी व अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि जिले को 2 सुपर जोन और 11 सेक्टरों में बांटा गया है। साथ ही 13 मोबाइल पुलिस टीमें भी तैनात रहेंगी। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाएगा। यह पूरी योजना श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

अपर्णा और शाही के सपा-कांग्रेस का झंडा जलाने पर बीजेपी नाराज, पार्टी की हुई किरकिरी

-अखिलेश ने कहा था- बीजेपी वाले 12 करोड़ आबादी वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाएं भेजते

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर बिल के पारित ना होने पर यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया था। अब दोनों महिला नेताओं के इस प्रदर्शन पर बीजेपी नेतृत्व नाराज है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और सदस्य ऋतु शाही पर पार्टी हाईकमान ने सवाल उठाए हैं कि इससे पार्टी की किरकिरी हुई है।

बता दें 17 अप्रैल की देर रात विधानसभा के बाहर अपर्णा यादव और ऋतु शाही ने महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। यह प्रदर्शन संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिर जाने के विरोध में किया गया था। अपर्णा ने कहा था कि यह कलंकित करने वाली रात है। विपक्ष का चेहरा दिखावटी है। नारी शक्ति इन्हें कुचल देगी। सपा-कांग्रेस के नेता दुर्योधन और दुशासन जैसे हैं, इसलिए हमने उनके झंडे जलाए।

प्रदर्शन में सिर्फ 10-12 महिलाओं की मौजूदगी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने एक फोटो शेयर कर लिखा- बीजेपी वाले 12 करोड़ महिलाओं वाले यूपी में सिर्फ 12 महिलाओं को भेजते हैं। कहा जा रहा है कि अखिलेश के इस पोस्ट ने बीजेपी को काफी शर्मिंदगी में डाल दिया, जिसकी वजह से पार्टी आला कमान दोनों ही नेताओं से नाराज है। सूत्रों के मुताबिक यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और महासचिव धर्मपाल सिंह सहित कई बड़े नेता इस घटना से नाराज हैं। उनका कहना है कि बिना पार्टी की अनुमति के और इतनी कम संख्या में प्रदर्शन करना पूरी पार्टी को बदनाम करने जैसा था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अपर्णा यादव और ऋतु शाही से या तो लिखित स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है या फिर मौखिक जवाब।

बता दें मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई थीं। ऋतु शाही एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश कुमार शाही की पत्नी हैं और पहले बीजेपी की गोरखपुर इकाई की महिला विंग की कोषाध्यक्ष रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण से बीजेपी की रणनीति को धक्का लगा है, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के विरोध के बाद इसे बड़ा मुद्दा बनाने के फ़िराक में है। फिलहाल दोनों महिला नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तुम से न हो पाएगा... कहकर तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर कस दिया तंज

इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इंडिया गठबंधन नहीं चल पाएगा है। लालू के बड़े बेटे ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं और उनमें यह क्षमता है। तेज प्रताप ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती हैं। वे इंदिरा गांधी जी की तरह हैं। राहुल गांधी से गठबंधन चलने वाला नहीं है। यात्रा निकालने से या फिर बुलेट पर बैठ जाने से गठबंधन नहीं चलता। इस तरह तेज प्रताप ने कांग्रेस के सर्वोसर्वा राहुल गांधी पर ही सीधा सवाल उठा दिया है।

नीतीश कुमार के बिहार का मुख्यमंत्री पद छोड़ने को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि वह कंप्रोमाइज हुए हैं और इसकारण भाजपा के दबाव में इस्तीफा दिया है। इस बोर में तेज प्रताप से पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन्हीं सब चीजों में फंसे रहने वाले है। शुरू में बुलेट चलाते हुए उनका शौक पूरा नहीं हुआ। अब उन्हें कुर्सी पर बैठने का लालच हुआ है। वह जो कुकिंग कर रहे थे और मीट-मुर्गा बना रहे थे, वही बनाते रहें। तेज ने कहा, प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। राहुल गांधी जी से चलने वाला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि अब नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने पर बात कर रहे हैं। नीतीश छोड़कर गए, तब दूसरे नेता आए और सीएम बन गए। राहुल गांधी को बिहार को लेकर लालच क्यों लग रहा है। उन्हें क्या यहां पर मुख्यमंत्री का पद चाहिए।

बात दें कि तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से बगावत की थी। वह अपने जनसत्ता दल की ओर से ही खुद लड़े थे और कैंडिडेट भी उतारे थे। हालांकि तेज प्रताप यादव खुद हार गए थे और उनके उतारे किसी कैंडिडेट को भी जीत नहीं मिली थी। तेज प्रताप अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव में सीधे हमले करते नहीं दिखे थे, लेकिन उनके करीबियों पर खूब बाण चलाए थे। इतना ही नहीं उनकी बहन रोहिणी आचार्य भी अक्सर सोशल मीडिया पर तेज प्रताप का ही समर्थन करती दिखती हैं। बता दें कि आरजेडी में इस फूट को भी हार की एक वजह माना जाता है।

भारत और रुस एक-दूसरे के देशों में हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान जंग के बीच एक बड़ी हलचल हुई है। जिसका ध्यान पूरी दुनिया से खींचा है। दरअसल भारत और रूस एक दूसरे की जमीन पर अपने हजारों सैनिक, फाइटर जेट और वॉरशिप तैनात करने की तैयारी शुरू कर रहे हैं। बता दें कि भारत और रूस के बीच रीलॉस यानी कि रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट समझौता पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के एयरबेस, नेवल बेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं और वह भी पूरी सफाई के साथ ऑपरेशन कर सकते है। इस डील की सबसे बड़ी ताकत इसकी क्षमता है। अब दोनों देश एक साथ 3000 सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच वॉरशिप्स एक दूसरे के क्षेत्र में तैनात कर सकते हैं। लेकिन असली खेल सिर्फ तैनाती नहीं है बल्कि उस तैनाती को मिलने वाला पूरा सपोर्ट है। यानी कि रिफ्यूलिंग, रिपेयर, मेंटेनेंस, मेडिकल और ट्रांसपोर्ट यानी पूरी युद्ध मशीन को कहीं भी चलाने की ताकत।

अब भारत की सेना सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तेजी से ऑपरेट कर सकती है। बात दें कि आज दुनिया एक नए पावर गेम में है। जहां हर देश अपने सप्लाई रूट्स और मिलिट्री रीच को सुरक्षित करने में लगा है। दूसरी वजह दुनिया भर में चीन का बढ़ता असर है। चीन लगातार एशिया और इंडोपेसिफिक में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इसके बाद भारत के लिए अपनी मौजूदगी बढ़ाना जरूरी था। तीसरी वजह रूस की रणनीति को मना जा रहा है। पश्चिमी दबाव के बीच रूस को इसतरह के पार्टनर की जरूरत थी जिस पर भरोसा कर सके और भारत रुस के लिए दुनिया में सबसे भरोसेमंद दोस्त है। इस बीच भारत ने जो रास्ता चुना है वह सबसे अलग है ना पूरी तरह किसी एक के साथ और ना किसी के खिलाफ बल्कि अपने हितों के हिसाब से हर बड़े देश के साथ संतुलन बनाकर चलना।

रूस के पास आर्कटिक से लेकर यूरोप तक फैले सैन्य बेस है और इस डील के बाद भारत को इन इलाकों में एक्सेस मिल सकता है। खासकर आर्कटिक जहां भविष्य के नए समुद्री रास्ते बन रहे हैं। यानी आने वाले समय में व्यापार और संसाधनों पर सीधा असर होगा। दूसरा लॉजिस्टिक मतलब रियल पावर मिलना है। युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं बल्कि सप्लाई से भी जीता जाता है। अब भारत और रूस एक दूसरे को फ्यूल, रिपेयर बेस सपोर्ट दे सकते है। मतलब जहां जरूरत वहां ऑपरेशन आसान। तीसरा स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी जिसका पहले हमने जिक्र किया। यानी कि भारत ने अमेरिका के साथ एलईएमओए किया और अब रूस के साथ रिलोस। मतलब साफ है भारत किसी एक गुट में नहीं बल्कि हर बड़ी ताकत के साथ संतुलन बनाकर चल रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
22 अप्रैल 2026

मारुति सुजूकी का 2 लाख प्रतीक्षा कारों की आपूर्ति पर जोर

- खरखौदा व गुजरात संयंत्रों में 5 लाख यूनिट तक क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी 2 लाख से अधिक कारों की लंबी प्रतीक्षा सूची से निपटने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अ धिकारी ने बताया कि अगले कुछ महीनों में यह आपूर्ति पूरी करने का लक्ष्य है, जिसके लिए उत्पादन में बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है, जिसमें छोटी कारों पर विशेष ध्यान रहेगा। मारुति सुजूकी के अ धिकारी ने जानकारी दी कि कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता को 2026-27 के अंत तक 5 लाख अतिरिक्त यूनिट्स तक बढ़ाएगी। इसमें हरियाणा के खरखौदा और गुजरात संयंत्रों में प्रत्येक की क्षमता में 2.50 लाख कारों की वृद्धि शामिल होगी। इन कारखानों की असेंबली लाइनें मॉडल बदलने में सक्षम होंगी, जिससे प्रतीक्षा सूची वाली छोटी कारों की बड़ी मांग को पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान में, डीलरों के पास केवल एक सप्ताह की जरूरत भर का स्टॉक है, जबकि सामान्य तौर पर यह 30 दिन का होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की योजना के बारे में उन्होंने बताया कि सेल आयात के कारण कुल आयातित पुर्जे 50 फीसदी से अधिक होने के कारण मारुति फिलहाल उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहनयोजना के लाभ के लिए पात्र नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए, कंपनी देश में बैटरियों को पैकेज करने की योजना बना रही है, जिससे आयातित सामग्री कम होगी और पीएलआई पात्रता मिल सकेगी। कंपनी ने हाल ही में निर्यात के बाद ई-विटारा को घरेलू बाजार में उतारा है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के छोटी कारों पर माल एवं सेवा कर कम करने के फैसले से इस सेगमेंट को जबरदस्त बढ़ावा मिला है, और वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल बिक्री का 70 फीसदी हिस्सा इन्हीं छोटी कारों का था, जिससे सरकारी राजस्व पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। अमेरिका-ईरान युद्ध के संभावित प्रभावों पर, उन्होंने कच्चे माल, जैसे स्टील, की कीमतों में वृद्धि और कार निर्माण की लागत में इजाफे की आशंका जताई, जिससे लाभप्रदता पर सावधानीपूर्वक विचार करना होगा, हालांकि उन्होंने मांग में निरंतर वृद्धि की उम्मीद जताई।

एफपीआई की रिकॉर्ड बिकवाली, भारतीय बाजार से 1.68 लाख करोड़ निकाले

- ईरान युद्ध से उपजे तेल संकट ने 1.1 लाख करोड़ के शेयर बेचने पर मजबूर किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2026 में भारतीय शेयर बाजार से रिकॉर्ड 1.68 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है, जो पिछले पूरे साल की कुल बिकवाली से भी अधिक है। ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न हुए भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने विदेशी निवेशकों को जोखिम भरी संपत्तियों से दूर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अकेले मार्च में 1.1 लाख करोड़ रुपए की बड़ी बिकवाली हुई। यह बिकवाली फरवरी के आशावाद के ठीक उलट है, जब भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते और अमेरिकी शुल्क में कमी की उम्मीदों पर एफपीआई शुद्ध खरीदार बने थे। हालांकि, अमेरिका-ईरान युद्ध, जिसमें ईरान ने खाड़ी देशों में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया और होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध कर दिया, ने निवेशकों का विश्वास हिला दिया। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल और गैस शिपमेंट का लगभग 20त्न संभालता है, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतें 22 फीसदी बढ़कर 90.1 प्रति बैरल हो गई हैं। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि देश अपनी अधिकांश ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। तेल की बढ़ती कीमतें राजकोषीय घाटे को बढ़ाती हैं, महंगाई को बढ़ावा देती हैं और आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर डालती हैं। एफपीआई की यह बिकवाली केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि अधिकांश उभरते बाजारों में देखी गई है, हालांकि दक्षिण कोरियाई बाजार को छोड़कर भारत में निकासी अन्य उभरते बाजारों से अधिक रही है।

शेयर बाजार में बढ़त के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 753 अंक चढ़ा

निफ्टी 24550 के पारनिवेशकों को 3 लाख करोड़ का फायदा

मुंबई।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों ने शानदार वापसी की और एक मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे विवाद में कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार के प्रमुख सूचकांकों को नई ऊर्जा दी। मंगलवार को शेयर बाजार निवेशकों को करीब 3 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

शुरुआती कारोबार में धीमी चाल के बाद बाजार ने तेज रफ्तार पकड़ी। बीएसई सेंसेक्स 753.03 अंकों यानी 0.96 प्रतिशत की दमदार बढ़त के साथ 79,273.33 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स 211.75 अंक या 0.87 प्रतिशत चढ़कर 24,576.60 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। अमेरिकी बाजारों में मजबूती और एशियाई बाजारों (निक्केई और कोस्पी) में बढ़त का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा। पॉजिटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड की कीमतों में कमी आई है। भारत तेल का बड़ा आयातक है, इसलिए तेल सस्ता होने से इकोनॉमी और कंपनियों के मार्जिन को फायदा मिलता है। अमेरिका में 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है। जब बॉन्ड यील्ड गिरती है,

तो विदेशी निवेशक (एफआईआई) भारतीय जैसे उभरते बाजारों में पैसा लगाना पसंद करते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों में शुरुआती कारोबार में अच्छी खरीदारी देखी गई, जिससे इंडेक्स ऊपर चढ़ा।

जेएनपीए एसईजेड में वेलस्पन वन और इंडेव इंफ्रा के बीच साझेदारी

मुंबई ।

वेयरहाउसिंग एवं औद्योगिक रियल एस्टेट मंच वेलस्पन वन ने जेएनपीए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में इंडेव इंफ्रा को 2.10 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का गोदाम पट्टे पर दिया है। यह कदम इंडेव इंफ्रा को अपनी फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग जोन क्षमताओं को बढ़ाने और बंदरगाह से जुड़े लॉजिस्टिक्स संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा। वेलस्पन वन ने कहा कि यह समझौता इंडेव इंफ्रा की बाजार में उपस्थिति को मजबूत करेगा, जिससे उसे निर्बाध, बंदरगाह से जुड़े आपूर्ति श्रृंखला समाधान प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवाह को समर्थन देने की क्षमता मिलेगी। इंडेव इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के एक अ धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी व्यापार प्रवाह को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और ग्राहकों को एकीकृत एवं मूल्यवर्धित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को मजबूत करती है।

ईंधन कीमतों में राहत, 21 अप्रैल को भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों ने 21 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे आम जनता को राहत है। देश के प्रमुख शहरों में मंगलवार को भी ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपये और डीजल 90.03 रुपये पर स्थिर है। कोलकाता में पेट्रोल 105.41 रुपये और डीजल 92.02 रुपये है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 101.23 रुपये और डीजल 92.81 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक रहा है। बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपये और डीजल 90.99 रुपये, जबकि गुरुग्राम में पेट्रोल 95.65 रुपये और डीजल 88.10 रुपये प्रति लीटर पर कायम हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले तेजी से बढ़ी थीं, जिससे ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब बाजार में स्थिरता लौटने से घरेलू कीमतों पर फिलहाल दबाव नहीं दिख रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, 2027 तक 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान संयुक्त राष्ट्र

घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र का अहम योगदान; हरित नौकरियों के सृजन में भी भारत की अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 तक 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया व प्रशांत (ईएससीएपी) द्वारा जारी इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026 शीर्षक वाली रिपोर्ट में भारत की मजबूत घरेलू खपत और सेवा क्षेत्र को इस वृद्धि का मुख्य चालक बताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में 2025 में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत की वृद्धि दर 2025 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मजबूत मांग, जीएसटी दरों में कटौती और अमेरिकी शुल्कों से पहले हुए निर्यात से समर्थन मिला। हालांकि, 2025 की दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्कों के कारण निर्यात में गिरावट से कुछ धीमी गति देखी गई, लेकिन सेवा क्षेत्र वृद्धि का प्रमुख चालक बना रहा। देश में मुद्रास्फीति इस वर्ष 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। व्यापार तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, विकासशील एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रवाह में कमी आई है। इस क्षेत्र में 2025 में एफडीआई दो प्रतिशत घटा, जबकि वैश्विक प्रवाह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके

बावजूद, भारत 50 अरब डॉलर के निवेश के साथ नए एफडीआई को सबसे अधिक आकर्षित करने वाले देशों में से एक रहा। रिपोर्ट में हरित नौकरियों के सृजन में भारत की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। वैश्विक स्तर पर सृजित 1.66 करोड़ हरित नौकरियों में से 13 लाख भारत में थीं, जो कुल का 8 प्रतिशत है। भारत की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि यह हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और फोटोवोल्टिक, बैटरी व हरित हाइड्रोजन के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने में प्रभावी साबित हुई है।

विदेशी शेयरधारकों से भारतीय वित्तीय संस्थानों की साख मजबूत होगी फिच

- विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में ला कते हैं धार

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वित्तीय संस्थानों में विदेशी शेयरधारकों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी उनके ऋण खंड (क्रेडिट प्रोफाइल) के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार यह दीर्घकालिक पूंजी उपलब्धता, वित्तपोषण लचीलेपन और कुछ मामलों में कामकाज के मानकों में सुधार के माध्यम से संस्थानों की साख को मजबूत करेगा। फिच ने बताया कि हाल के समय में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं, वित्तीय क्षेत्र के नियमन तथा बेहतर जोखिम प्रबंधन ढांचे में उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। एजेंसी का मानना है कि निवेशक ऐसे मंच की तलाश में हैं जिनमें विस्तार योग्य वितरण क्षमता और स्थानीय विशेषज्ञता हो। विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में सुधार ला सकते हैं, जबकि प्रतिष्ठित रणनीतिक शेयरधारक पूंजी की लागत कम करने में सहायक होते हैं। लांकि, रेटिंग एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि केवल विदेशी रुचि को मजबूत ऋण आधार का विश्वसनीय संकेत नहीं माना जा सकता। फिच के अनुसार, वे लेनदेन जो आंतरिक नियंत्रण, जोखिम प्रबंधन और नेतृत्व की जवाबदेही को मजबूत करते हैं, केवल वित्तीय लाभ के लिए किए गए सौदों की तुलना में अधिक ऋण-संबंधी महत्व रखते हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि निवेश वित्तीय संस्थानों की

मूलभूत मजबूती को बढ़ाए। च का मानना है कि बैंकों की तुलना में गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों (एनबीएफआई) में विदेशी शेयरधारकों के नियंत्रण हासिल करने की संभावना अधिक है, क्योंकि नियमों के तहत एनबीएफआई में पूर्ण विदेशी स्वामित्व की अनुमति है।

एनसीएलएटी ने इंटेल पर 27 करोड़ के जुर्माने पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल कॉरपोरेशन को बड़ी राहत देते हुए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा लगाए गए 27.38 करोड़ रुपये के जुर्माने पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। न्यायाधिकरण की दो-सदस्यीय पीठ ने यह राहत इसलिए दी, क्योंकि इंटेल पहले ही जुर्माने की 25 प्रतिशत राशि जमा कर चुकी है। इसके साथ ही सीसीआई को निर्देश दिया गया है कि वह आदेश के क्रियान्वयन के लिए कोई कठोर कदम न उठाए। इंटेल ने सीसीआई के फरवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें भारत-विशिष्ट वारंटी नीति के माध्यम से प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण का आरोप लगाते हुए जुर्माना लगाया गया था। सुनवाई के दौरान इंटेल ने बताया कि उसने 1 अप्रैल, 2024 से अपनी भारत-विशिष्ट वारंटी नीति वापस ले ली है और इसे सार्वजनिक भी कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

डॉलर की मज़बूती से सोना फिसला, चांदी भी हुई सस्ती

- सोना 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार के कारोबार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। डॉलर की मज़बूती और निवेशकों द्वारा की गई मुनाफ़ावसूली के चलते सोने के दाम गिरे हैं। वहीं अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की ऊँची कीमतें भी सोने पर दबाव डाल रही हैं। चांदी की कीमतों में भी नरमी देखी गई। सुबह 10=30 बजे के आसपास एमसीएक्स पर सोने का जून वायदा 207 रुपए गिरकर 153,736 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का मई वायदा भी 1,620 रुपए की कमजोरी के साथ 250,925 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर था।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की ऊँची कीमतें सोने-चांदी को अस्थिर बनाए हुए हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का व्यापार डॉलर में होने से, इसकी बढ़ती कीमतें डॉलर की मांग बढ़ाती हैं, जिससे सोने पर दबाव आता है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जो बाज़ार की चिंताओं को बढ़ा

रहा है। फरवरी के अंत में अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बाद से सोने में लगभग 9 फीसदी और चांदी में 14 फीसदी की गिरावट आई है, क्योंकि डॉलर एक सुरक्षित निवेश के रूप में उभरा है।

रुपया शुरुआती कारोबार 16 पैसे टूटकर 93.32 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.32 पर आ गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के स्थिर रुख और केंद्रीय बैंक के भारतीय मुद्रा पर सट्टेबाजी पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने से रुपये पर दबाव बढ़ा। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपये में अत्यधिक सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए एक अप्रैल को जारी किए गए निर्देशों को आंशिक रूप से सोमवार को वापस ले लिया।

बैंकिंग नियामक ने गैर-वितरणीय 'फॉरवर्ड' बाजारों में शुद्ध खुली स्थिति की सीमा 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर तय की थी और बैंकों को 10 अप्रैल तक इसका पालन करने का आदेश दिया था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.37 के स्तर तक गिरने के बाद 93.32

पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो सत्र में रुपये में 47 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.4 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.94 पर रहा।

पीपीएफ में निवेश कर सुरक्षित बचत के साथ पाएं शानदार रिटर्न और टैक्स छूट!

- 70,000 सालाना निवेश, मैच्योरिटी पर मिलेगा लगभग 18.98 लाख का बड़ा फंड

नई दिल्ली । वित्तीय सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए निवेश करना हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। ऐसे में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक ऐसी सरकारी योजना है जो न केवल आपके पैसे को सुरक्षित रखती है, बल्कि लंबी अवधि में इसे कई गुना बढ़ाने का शानदार अवसर भी प्रदान करती है। साथ ही, यह टैक्स बचाने का भी एक प्रभावी माध्यम है, जिससे निवेशक दोहरे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पीपीएफ भारत सरकार द्वारा समर्थित एक लॉन्ग टर्म सेविंग स्कीम है, जिसमें जोखिम लगभग न के बराबर होता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए एक अच्छा फंड तैयार करना चाहते हैं। इसमें आप सालाना न्यूनतम 500 से लेकर अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं, जिसे एकमुश्त या छोटे-छोटे मासिक/वार्षिक किस्तों में जमा किया जा सकता है। वर्तमान में इस योजना पर लगभग 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, हालांकि यह दर सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित की जाती है। इस योजना की मैच्योरिटी अवधि 15 साल होती है। अगर कोई निवेशक हर साल लगातार 70,000 रुपए जमा करता है, तो 15 साल में उसका कुल निवेश 10.5 लाख रुपए होगा। 7.1 फीसदी की वर्तमान अनुमानित ब्याज दर के हिसाब से, उसे लगभग 8,48,498 रुपए का ब्याज मिलेगा। इस प्रकार, मैच्योरिटी पर कुल राशि लगभग 18,98,498 रुपए होगी, जो आपके मूल निवेश का दोगुने से भी ज़्यादा है। पीपीएफ को टैक्स सेविंग के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। इसमें इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80 सी के तहत निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। इसके अलावा, इस योजना में मिलने वाला ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट, दोनों ही पूरी तरह से टैक्स फ्री होते हैं। आप अपना पीपीएफ अकाउंट किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में आसानी से खोल सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एक व्यक्ति के नाम पर केवल एक ही पीपीएफ अकाउंट खोला जा सकता है। अन्य सुविधाओं में 3 से 6 साल के बीच लोन लेने की सुविधा, 7वें साल के बाद आंशिक निकासी का विकल्प और मैच्योरिटी के बाद इसे 5-5 साल के ब्लॉक में आगे बढ़ाने का प्रावधान शामिल है। निवेश करते समय इस बात का ध्यान रखें कि महीने की 5 तारीख से पहले पैसा जमा करने पर आप पूरे महीने का ब्याज पा सकते हैं।

वेदांता का कारोबार विभाजन एक मई से होगा प्रभावी

एल्युमीनियम, बिजली, तेल-गैस और लौह अयस्क इकाइयां होंगी अलग सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अपने प्रमुख व्यवसायों के बहु-प्रतीक्षित डीमर्जर (विभाजन) की प्रभावी तिथि की घोषणा कर दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में यह निर्णय लिया कि एल्युमीनियम, बिजली, तेल एवं गैस और लौह अयस्क इकाइयों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने की योजना 1 मई, 2026 से प्रभावी होगी। इस पुनर्गठन का उद्देश्य कंपनी की कॉरपोरेट संरचना को सरल बनाना और संचालन पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डीमर्जर योजना के तहत, वेदांता चार अलग-अलग कंपनियों - वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (वीएएमएल), तलवंडी साबो पावर लिमिटेड, एनर्जी लिमिटेड और वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड को अलग से सूचीबद्ध करेगी। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता पावर और माल्को एनर्जी लिमिटेड का नाम बदलकर वेदांता ऑयल एंड गैस किया जाएगा। वेदांता एल्युमीनियम मेटल लिमिटेड को भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को) में अपनी

शेयरधारिता भी हस्तांतरित करेगी। कंपनी ने बताया कि डीमर्जर के बाद, वेदांता के मौजूदा शेयरधारकों को प्रत्येक नई सूचीबद्ध कंपनी में 1=1 के अनुपात में इक्विटी शेयर प्राप्त होंगे। पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए 1 मई, 2026 को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की गई है। वेदांता के अनुसार, यह कदम क्षेत्र-केंद्रित स्वतंत्र कंपनियों का निर्माण करेगा, जिससे संप्रभु संपत्ति कोष, खुदरा और रणनीतिक निवेशकों सहित वैश्विक निवेशकों को वेदांता की विश्व स्तरीय संपत्तियों में प्रत्यक्ष निवेश के अवसर मिलेंगे। इससे विभिन्न व्यवसायों के सुगम संचालन में भी मदद मिलेगी। हालांकि, यह डीमर्जर प्रक्रिया कई बार स्थगित हो चुकी है। पहले 31 मार्च, 2025, फिर 30 सितंबर, 2025 और बाद में 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई थी। अब इसे 30 जून तक बढ़ाया गया है, क्योंकि कुछ सरकारी प्राधिकरणों से मंजूरी अभी भी लंबित है।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु ।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं।

स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है ः प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रुझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

शेफाली वर्मा टी20आई रैंकिंग में छठे पायदान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नई महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था। भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे। महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी गेंदबाजों की रैंकिंग में नीचे खिसक गई हैं। दीप्ति दो स्थान नीचे पांचवें जबकि रेणुका चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान के नुकसान से 12वें स्थान पर खिसक गई हैं और शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची से बाहर हो गई हैं।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन (एजेंसी)। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला।

मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीआई

–घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर

मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

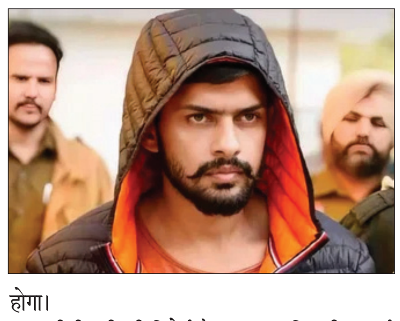

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मैच पर संदेह है, वह कनाडा का न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर का मैच है। इस मैच में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत ने पांचवां ओवर किया जिसमें 15 रन बने और मैच का परिणाम बदल गया। इस ओवर के अलावा

आईसीसी कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़े एक रिकॉर्डेड टेलीफोन कॉल की भी जांच कर रहा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड के सदस्यों ने उन पर नेशनल टीम के लिए कुछ खास खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला था।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद ।आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है।इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा।वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं।इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं।शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्राम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकारार हैं।

वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है।तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं।वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं।राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर ।आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है।साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक–दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है।हम एक–दूसरे से छोटी–छोटी बातें सीखते हैं।हमें एक–दूसरे से छोटी–छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है।उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं।खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये।हम एक टीम के रूप में एक–दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं।कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं।उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है।पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है।वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है।कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं।वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें।वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया, बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

अहमदाबाद ।गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है।इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया।शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे।बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे।हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये।इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी।गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया।मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी।पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है।साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है।सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा।उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग।मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था।हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।' वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी।इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये।इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी।इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आंखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

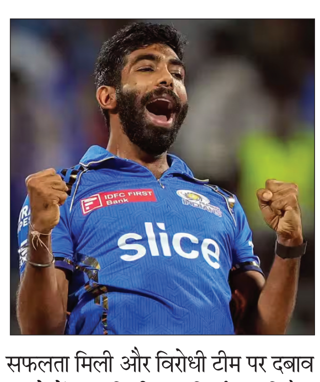

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

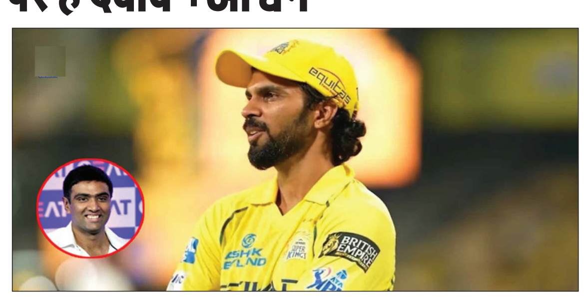

मुम्बई ।पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं।इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है।इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है।यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ–साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है।हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए।हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई।इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया।अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था।उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी।वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये।उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है।गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है।अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है।इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है।अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है।इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा।प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है।ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

–भारत आने की भी इच्छा जतायी

मैड्रिड (एजेंसी)। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे वहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा। कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका को क्रमशः स्पोर्ट्समैन और स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर के सम्मान से नवाजा गया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खान÷ फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ÷मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.÷

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन ।इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है।मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है।टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है।टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।।उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है।मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है।उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

सलमान और नयनतारा की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू

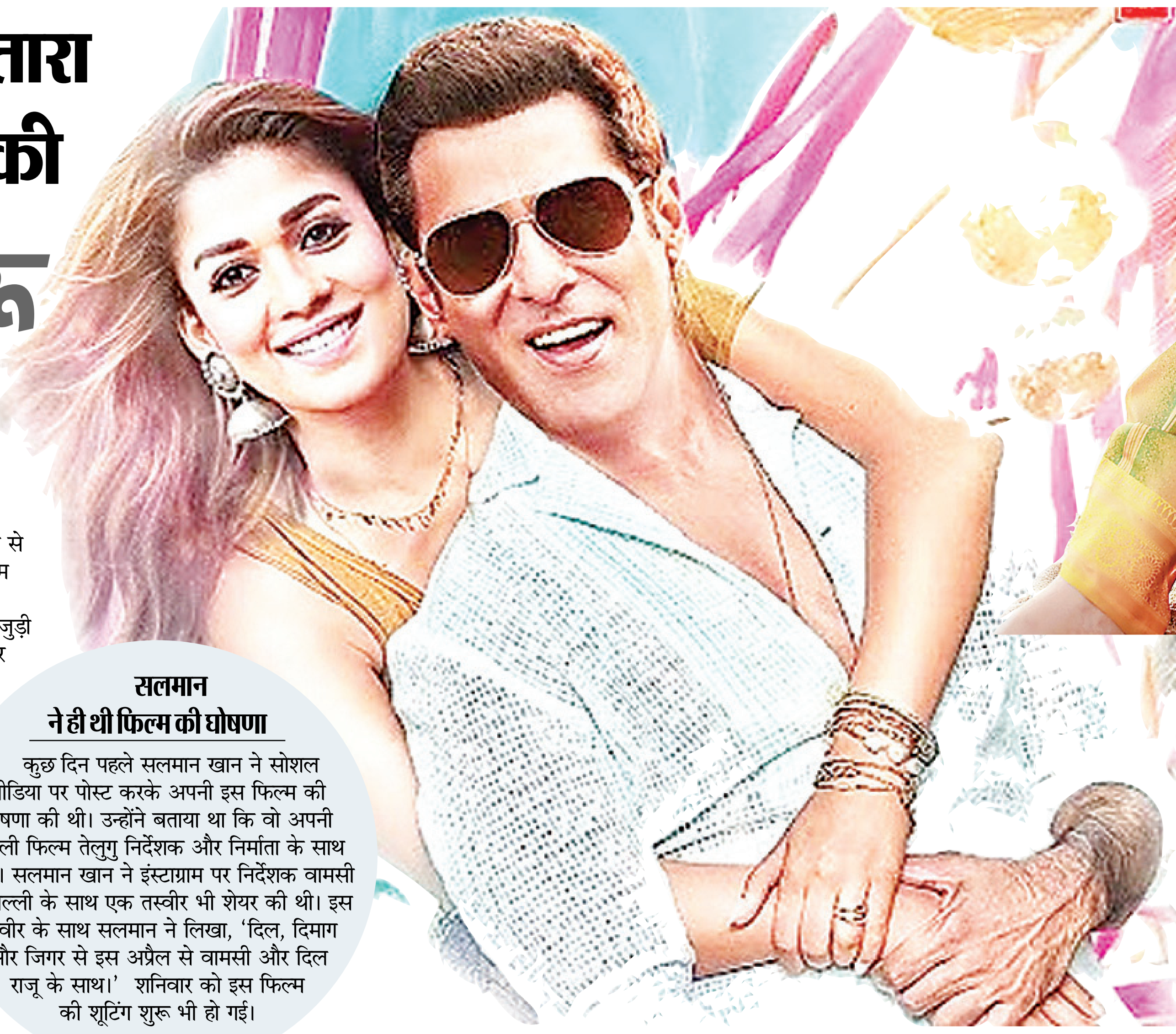

अनिल कपूर समेत कई सेलेब्स ने जाहिर की खुशी

सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' के बाद साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अगली फिल्म करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अपडेट मेकर्स ने साझा किया है। सलमान की इस फिल्म के लिए बॉलीवुड एक्टर्स एक्साइटेड दिख रहे हैं। निर्देशक वामशी ने इंस्टाग्राम पर सलमान खान की आगामी फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। निर्देशक ने एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर अपलोड की, जिस पर 'मुहूर्त' लिखा हुआ था। इस तरह वामशी ने फैंस को बताया कि सलमान खान और नयनतारा की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। शनिवार को इसका मुहूर्त शॉट किया गया।

कई सेलेब्स ने शूटिंग को लेकर जाहिर की खुशी

डायरेक्टर वामशी की पोस्ट और सलमान खान की फिल्म को लेकर कई बॉलीवुड सेलेब्स उत्साहित दिखे। इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए अनिल कपूर ने लिखा, 'वामशी, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसी तरह नम्रता शिरोडकर ने भी कमेंट किया, 'बहुत-बहुत बधाई।' सलमान के फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब लाइक किया है।

सलमान ने ही थी फिल्म की घोषणा

कुछ दिन पहले सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी इस फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ एक तस्वीर भी शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ।' शनिवार को इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो गई।

पार्वती कृष्णा योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गई और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं। पार्वती ने कई शो भी होस्ट किए। मलयालम का पॉपुलर शो 'किडिलम' को भी वह होस्ट कर चुकी हैं।

पांच साल में बनाया भारत में सबसे बड़ा रिकॉर्ड

संजय की चार फिल्मों ने ली 1000 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के एक मशहूर अभिनेता के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उनकी अलग-अलग चार फिल्मों ने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ली है। ऐसा कोई खान स्टार या साउथ का स्टार नहीं कर सका।

यह आम राय है कि बॉक्स ऑफिस पर खान स्टार्स और साउथ के बड़े अभिनेताओं का दबदबा रहता है। हालांकि इस बार मामला थोड़ा अलग है। पिछले कुछ वर्षों में एक एक्टर ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो लोगों को हैरान कर रहा है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्में की हैं। उनकी चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब में पहुंची हैं।

अभिनेता ने खान और साउथ के कलाकारों को छोड़ा पीछे

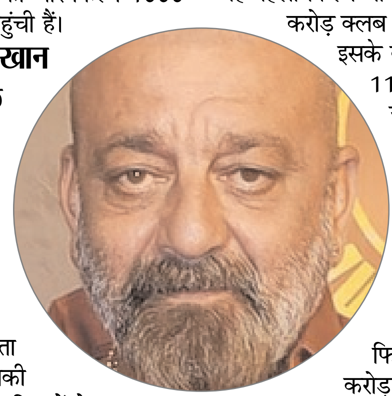

यह कोई और अभिनेता नहीं बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता संजय दत्त हैं। उनकी चार अलग-अलग फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इस रिकॉर्ड की खास बात यह है कि कई बड़े स्टार्स ऐसा रिकॉर्ड नहीं बना पाए हैं। इस लिस्ट में आमिर खान, शाहरुख खान और प्रभास जैसे सितारे हैं। हालांकि संजय दत्त इन सब लोगों से आगे हैं। कई सितारों की एक या दो ही फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं। लेकिन संजय दत्त की एक नहीं चार फिल्में 1000 करोड़ क्लब तक पहुंची हैं।

इन फिल्मों ने कमाए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा

संजय दत्त ने 'केजीएफ चैप्टर 2' (2022) में अपने विलेन के किरदार से काफी चर्चा बटोरी। संजय दत्त की यह पहली फिल्म थी जिसने 1000 करोड़ क्लब में एंट्री मारी थी। इसके बाद 'जवान' ने 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। 'धुरंधर' (2025) में भी संजय दत्त नजर आए थे। इस फिल्म ने 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। इसी तरह से 'धुरंधर 2' (2026) ने एक महीने में 1700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया है।

संजय दत्त के नाम बड़ा रिकॉर्ड

इस तरह से संजय दत्त अकेले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी 4 फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया है। उनका ये रिकॉर्ड काफी खास माना जा रहा है।

अक्षय कुमार बोले- मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्म 'भूत बंगला' से फैंस को खूब हंसा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके बेटे को फिल्मों में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वो फैशन में अपना करियर बना रहा है।

अक्षय कुमार का बेटा आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन नितारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

सनी देओल-आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का बदला जाएगा टाइटल

सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'लाहौर 1947' लंबे वक्त से चर्चा में है. कुछ समय पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि इस फिल्म का नाम बदल सकता है. लेकिन ये महज अफवाह निकली. लेकिन अब एक बार फिर 'लाहौर 1947' का नाम बदले जाने की खबर सामने आई है.

सनी देओल ने 2026 की शुरुआत में 'बॉर्डर 2' बवाल काट दिया था. इसके बाद सनी देओल के पास कई बड़े फिल्ममेकर्स से ऑफर मिल रहे हैं. एक्टर के पास बहुत सी फिल्में लाइनअप में शामिल हैं. सनी देओल इस साल 'गबरू', 'लाहौर 1947' और 'रामायण' से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. हाल ही में ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आई, जिनमें दावा किया गया कि सनी देओल की 'लाहौर 1947' का नाम बदला जाएगा. लेकिन इनमें कोई सच्चाई नहीं थी. इसी बीच अब खबर मिली है कि वाकई में सनी देओल की फिल्म का नाम बदलने की पूरी तैयारी है.

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल की 'लाहौर 1947' की अनाउंसमेंट की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इसे लेकर जबरदस्त क्रेज है. ये फिल्म 13 अगस्त को थिएटरों में रिलीज होने वाली है. सनी देओल की इस फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं और राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. बीते दिनों खुद आमिर खान ने बताया था कि 'लाहौर 1947' का नाम नहीं बदला जा रहा है. लेकिन अब खबर सामने आई है कि 'लाहौर 1947' का नाम बदला जा रहा है और इसका नया टाइटल भी पता चल गया है.

लाहौर 1947 का बदलेगा नाम?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2026 की मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलने के बारे में सोचा जा रहा है. राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी सनी देओल और आमिर खान की फिल्म 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर अब 'बंटवारा 1947' किया जा सकता है. हालांकि, अभी तक मेकर्स ने कोई ऐलान नहीं किया है लेकिन ऐसी उम्मीद है कि जल्द ही मेकर्स 'बंटवारा 1947' पर मुहर लगा सकते हैं.

सोनाली ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

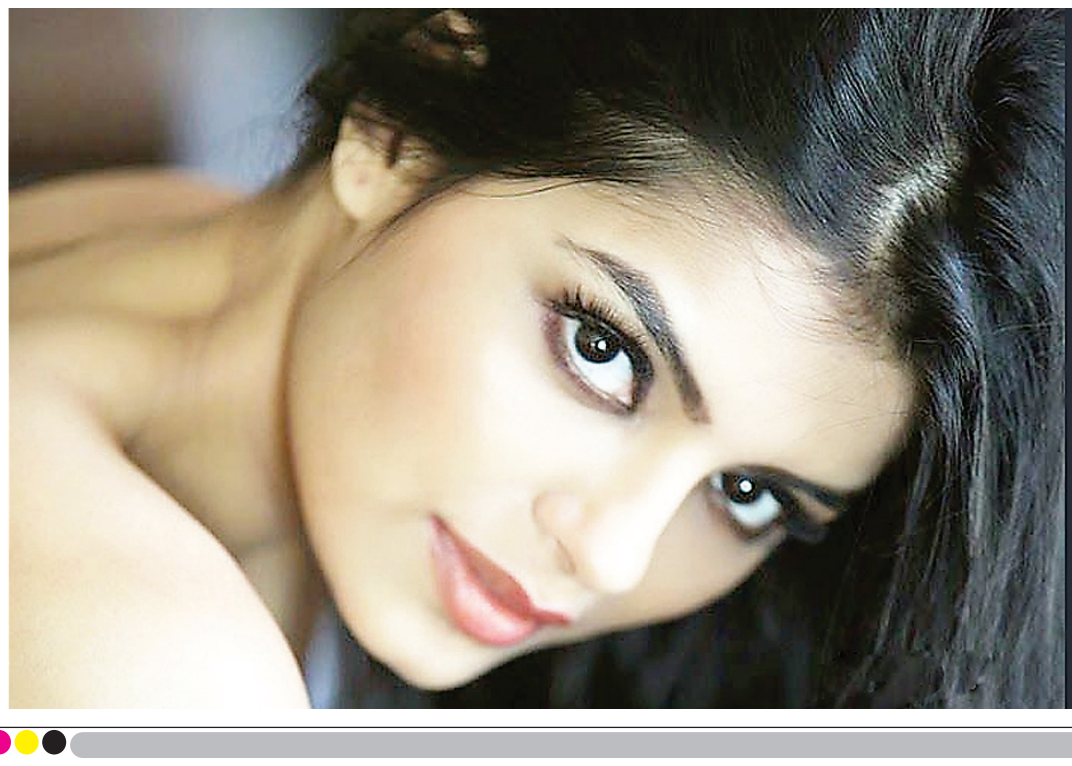

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए।

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
22 अप्रैल 2026

संक्षिप्त समाचार

लेबनान में यीशु प्रतिमा वाली तस्वीर पर बवाल, इस्राइली सेना ने जांच शुरू की ; सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक वायरल तस्वीर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में इस्राइली सेना ने जांच शुरू कर दी है। तस्वीर में एक इस्राइली सैनिक को कथित तौर पर यीशु मसीह की क्रूस पर लगी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर लेबनान के देबेल गांव की बताई जा रही है। इस तस्वीर में क्रूस पर लगे यीशु की प्रतिमा को असामान्य स्थिति में दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि एक सैनिक ने हथौड़े या कुल्हाड़ी जैसी चीज से प्रतिमा पर वार किया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। देबेल गांव के उप प्रमुख मारून नसीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि वे इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक का आचरण पूरी तरह से उन मूल्यों के विपरीत है जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है। आईडीएफ के उत्तरी कमान ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आईडीएफ ने कहा 'जांच के निष्कर्षों के अनुसार, इसमें शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।' सेना ने यह भी कहा कि वे स्थानीय समुदाय की प्रतिमा को उसके मूल स्थान पर बहाल करने में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं।

होर्मुज की सुरक्षा पर भारत-दक्षिण कोरिया साथ, राष्ट्रपति ली ने सप्लाई चेन सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि दक्षिण कोरिया और भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन को स्थिर बनाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है। राष्ट्रपति ली ने एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रस्तावित शिखर वार्ता से पहले की। यह बैठक उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मोदी के साथ तीसरी आमने-सामने की मुलाकात मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर असर पड़ा है। इसके चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और औद्योगिक उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया और भारत दोनों अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया से आने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा हमारे नागरिकों की सुरक्षा और हमारे देशों के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिण कोरिया भारत के साथ लगातार संवाद बनाए रखेगा ताकि सभी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे। ऊर्जा निर्भरता कम करने और आपूर्ति संकट से निपटने के लिए राष्ट्रपति ली ने महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक आयात मॉडल से आगे बढ़ते हुए दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता और भारत की खनन व रिफाइनिंग क्षमता को जोड़कर स्थिर और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एआई, रक्षा, शिपिंग, शिपबिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और वित्तीय सेवाओं जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी साझेदारी को नई गति दी जाएगी।

अमेरिका के लुइसियाना में घरेलू कलह के चलते हुई गोलीबारी, आठ बच्चों की दर्दनाक मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी की दर्दनाक घटना हुई है। इस घटना में एक से 14 साल के आठ बच्चों की मौत हो गई है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि घरेलू कलह के चलते ये घटना हुई। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना रविवार तड़के श्रेवपोर्ट इलाके में हुई। श्रेवपोर्ट पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में कुल 10 लोगों को गोली लगी, जिनमें कुछ बच्चे संदिग्ध हमलावर के रिश्तेदार भी थे। गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की उम्र एक वर्ष से लेकर लगभग 14 वर्ष तक बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान मौत हो गई। गोलीबारी के बाद आरोपी ने मौके से भागते समय एक कार चोरी कर ली थी, जिसके बाद पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस ने अभी तक आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन उसे एक वयस्क पुरुष बताया गया है।

ईरान सेना और विदेश नीति पर आईआरजीसी का नियंत्रण; कमांडर अहमद वाहिदी ले रहे हैं देश के फैसले

ईरान, एजेंसी। ईरान को लेकर आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब वहां की सेना और विदेश नीति पर कट्टरपंथी संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का पूरा नियंत्रण हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी और उनके सहयोगी अब देश के फैसले ले रहे हैं, जबकि पहले जो नेता बातचीत और शांति की कोशिश कर रहे थे, उन्हें किनारे कर दिया गया है।

बताया गया है कि अब्बास अराघची जैसे नेता अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहते थे और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत थे, लेकिन आईआरजीसी ने इस फैसले को रोक दिया। इसके बाद ईरान ने उस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर हमला भी किया, जिससे कई जहाज फंस गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अब ईरान के अंदर सख्त रुख अपनाया जा रहा है और जो नेता नरम रवैया चाहते हैं, उनकी शक्ति कम हो गई है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मुश्किल हो गई है और क्षेत्र में तनाव बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

दुनिया भर में कैसा है बाजार का हाल : एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। टोक्यो, हांगकांग, शंघाई, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। केवल बैंकॉक लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी तेजी के साथ बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में इक्विटी में 683.20 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इक्विटी में 4,721.48 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार : अमेरिका-ईरान तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 137.14 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,356.40 और निफ्टी 61.65 अंक या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,291.50 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व मेटल और रियल्टी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी टॉप लूजर्स थे। इसके अलावा निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस भी लाल निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी कंजप्शन हरे निशान में थे। दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखने को मिल रही थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 303.70 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,201.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 38.40 अंक या 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,604 पर था। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, टाटा स्टील और इंडिगो गेनर्स थे। वहीं, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, टाइटन और इटरनल लूजर्स थे।

अमेरिका-ईरान वार्ता में मुख्य अड़चनें : ईरान का परमाणु कार्यक्रमः अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे, लेकिन तेहरान का कहना है कि किसी भी तरह की पाबंदी केवल सीमित वर्षों के लिए होनी चाहिए। ईरान का यूरेनियम भंडारः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने लगभग 400 किलोग्राम उच्च संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका को सौंप दे। लेकिन ईरान ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्यः ईरान का कहना है कि वह इस समुद्री मार्गों पर अपनी पाबंदियां तब तक बनाए रखेगा, जब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी नहीं हटाता। लेकिन ट्रंप का कहना है कि जब तक समझौता नहीं होता, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

जब्त की गई संपत्तियांः ईरानी अधिकारी मांग कर रहे हैं कि अमेरिका उन पर लगे प्रतिबंध हटाए और करीब 20 अरब डॉलर की संपत्तियां जो जब्त हैं, उन्हें वापस करे।युद्ध क्षतिपूर्तिः ईरान यह भी मांग कर रहा है कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए हमलों से हुए नुकसान के लिए उसे लगभग 270 अरब डॉलर का मुआवजा दिया जाए।

ईरान ने क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री की दी अनुमति : ईरान ने युद्ध में क्षतिग्रस्त सरकारी इमारतों की बिक्री या अदला-बदली की अनुमति देते हुए नया निर्देश जारी किया है। इसमें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त या पुनर्निर्माण योग्य न होने वाली इमारतों का फैसला सरकारी एजेंसियां लेंगी। यूएनआईएफआईएल ने लेबनान में मारे गए फ्रांसीसी शांति सैनिक फ्लोरियन मॉन्टोरियो को श्रद्धांजलि दी और उनके पार्थिव शरीर को फ्रांस भेज दिया है।

ट्रंप के टैरिफ वार से परेशान कनाडा, दुनिया में नए व्यापारिक रास्ते की कर रहा तलाश

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर जोर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ अमेरिका पर निर्भर रहना कनाडा की ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी बन गया है, और इससे बाहर निकलने के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाना जरूरी है। ओटावा से जारी एक वीडियो संदेश में कार्नी ने बताया कि अमेरिका ने अपने व्यापारिक रवैये में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में टैरिफ (आयात शुल्क) को इतना बढ़ा दिया गया है, जैसा कि पहले केवल महामंदी के समय देखा गया था। इन भारी शुल्कों का सीधा असर कनाडा के ऑटोमोबाइल, स्टील और लकड़ी (लंबर) उद्योग पर पड़ा है।

अमेरिका ने कनाडा के कई उत्पादों पर लगाए हैं टैरिफ : रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से ही अमेरिका ने कनाडा से आने वाले कई उत्पादों पर कड़े टैरिफ लगाए हुए हैं। कुछ सामानों पर 25% तक और स्टील व एल्युमिनियम पर 50% तक टैक्स लगाया गया है। इससे दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है और कनाडा पर नए व्यापारिक विकल्प तलाशने का दबाव बढ़ गया है। कार्नी ने बताया कि उनकी सरकार पिछले एक साल में चार महाद्वीपों में 20 नए व्यापार समझौते कर चुकी है। अब सरकार का फोकस विदेशी निवेश बढ़ाने, देश के अंदर राज्यों के बीच व्यापार नियम आसान बनाने और स्वच्छ ऊर्जा (क्लीन एनर्जी) क्षमता को दोगुना करने पर है, ताकि बाहरी झटकों का असर कम हो सके। उन्होंने कहा,' उम्मीद कोई योजना नहीं होती और पुरानी यादों के सहारे रणनीति नहीं बनाई जा सकती।' यानी कनाडा अब पुराने अमेरिका-केंद्रित मॉडल पर वापस लौटने का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि नई दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्नी ने यह भी माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर वहां के ऑटो और स्टील सेक्टर के कामगारों पर पड़ा है। अनिश्चित माहौल के कारण कंपनियां निवेश करने से बच रही हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान से भी कनाडा में नाराजगी है, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का '51वां राज्य' बनाने की बात कही थी। इस बयान ने दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री कार्नी ने भरोसा दिलाया कि सरकार समय-समय पर जनता को इस नई आर्थिक रणनीति की जानकारी देती रहेगी।

महिला पत्रकार के होर्मुज से जुड़े सवाल पर भड़के ट्रंप, कहा- बाहर जाओ; भारत से क्या कनेक्शन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। इस बार मामला भारतीय जहाजों पर हुए हमले से जुड़ा है, जिस पर सवाल पूछने पर वह भड़क गए। दरअसल, व्हाइट हाउस कवर करने वाली ओलिविया रिनाल्डी ने ईरान में चल रही स्थिति और होर्मुज में हाल की घटनाओं को लेकर सवाल पूछने की कोशिश की। जैसे ही उन्होंने भारतीय जहाजों पर हमले का जिक्र किया, ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार को बाहर निकलने को कह दिया।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरान ने हमला किया था, जिस पर भारत ने भी नाराजगी जताई है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक यूजर ने वह क्लिप शेयर की, जिसमें ट्रंप पत्रकारों को बाहर जाने के लिए कहते नजर आ रहे हैं। जिसके बाद उसी पोस्ट को महिला रिपोर्टर ने खुद भी शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने राष्ट्रपति से होर्मुज में मौजूद दो जहाजों के बारे में पूछने की कोशिश की, जिन पर कथित तौर पर ईरानी गनबोट्स ने गोलियां चलाई थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- बाहर निकलो।' ओलिविया रिनाल्डी सीबीएस न्यूज में व्हाइट हाउस रिपोर्टर हैं।

वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान की कवरेज भी कर चुकी हैं। इससे पहले वह सीबीएस इवनिंग न्यूज में एसोसिएट प्रोड्यूसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। इस बीच, ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने संघर्ष-विराम का गंभीर उल्लंघन किया है, लेकिन उन्हें अब भी शांति समझौते की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा, 'यह होगा। किसी न किसी तरह। अच्छे तरीके से या मुश्किल तरीके से। यह होकर रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि हम ईरान को एक अच्छी डील ऑफर कर रहे हैं। उन्हें यह डील माननी ही पड़ेगी और अगर नहीं मानते हैं तो फिर सभी पुलों और पावर प्लांट्स पर हमले होंगे।

उत्तर कोरिया ने क्लस्टर बमों का किया परीक्षण, किम जोंग-उन की बेटी भी रहीं मौजूद

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के अपने नवीनतम प्रक्षेपण में क्लस्टर बमों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण नेता किम जोंग-उन की देखरेख में हुई है।दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सिनफो क्षेत्र से सुबह लगभग 6:10 बजे पूर्वी सागर की ओर दागी। कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के एक दिन बाद, कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने ह्वासोंग-11 रा सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की रिपोर्ट प्रकाशित की। केसीएनए ने कहा कि परीक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य हथियार प्रणाली में लगे क्लस्टर बम वारहेड और विखंडन माइन वारहेड की शक्ति का मूल्यांकन करना था। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 136 किलोमीटर दूर स्थित लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक द्वीप के पास एक लक्ष्य क्षेत्र पर पांच मिसाइलों ने हमला किया। यह अत्यधिक घनत्व वाला क्षेत्र था, जिससे उनकी युद्ध क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई।

बेटी भी रही मौजूद : इसके साथ ही जारी की गई तस्वीरों में किम की बेटी जू-ए भी नजर आई, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें उनके उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। किम ने परीक्षण प्रक्षेपण पर अत्यंत संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र को नष्ट करने के लिए उच्च घनत्व वाली मारक क्षमता के साथ-साथ उच्च परिशुद्धता वाली मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विभिन्न क्लस्टर बम वारहेड का विकास और परिचय कोरियाई पीपुल्स आर्मी की परिचालन मांग को अधिक संतोषजनक और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है। नेता ने हथियार विकास के लिए जिम्मेदार विज्ञान अनुसंधान समूहों को भी प्रोत्साहित किया और कहा कि वे हमारी सेना की युद्ध तत्परता के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने और अद्यतन करने के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखेंगे। किम के साथ परीक्षण प्रक्षेपण में केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक, मिसाइल प्रशासन के प्रमुख जांग चांग-हा और सैन्य इकाई के कमांडर भी उपस्थित थे। रविवार को किया गया यह प्रक्षेपण 8 अप्रैल को उत्तर कोरिया द्वारा कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के बाद हुआ। उस समय राज्य मीडिया ने कहा था कि देश ने क्लस्टर बम वारहेड से युक्त एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। इसके साथ ही दावा किया था कि यह उच्चतम घनत्व शक्ति के साथ लक्षित क्षेत्रों को राख में बदल सकती है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन बताया है और उत्तर कोरिया की मिसाइल संबंधी उकसावों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। क्लस्टर बम दर्जनों से लेकर सैकड़ों छोटे बम छोड़ता है, जिससे यह एक विस्तृत क्षेत्र में कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इस हथियार का इस्तेमाल ईरान द्वारा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष में किया गया है।

इतिहास में पहली बार उपराष्ट्रपति का श्रीलंका दौरा, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

कोलंबो, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन श्रीलंका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को कोलंबो पहुंचते ही उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान द्विपक्षीय रणनीतिक रिश्तों पर चर्चा हुई।

अधिकारियों के अनुसार, यह किसी भी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली आधिकारिक यात्रा है। कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्री सुनील कुमारा गामगे ने उपराष्ट्रपति के नेतृत्व वाले 49 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति का एक जीवंत उदाहरण पेश करती है। चर्चा का मुख्य केंद्र चक्रवात दितवा के बाद भारत की ओर से दी गई 450 मिलियन डॉलर की विशाल आर्थिक सहायता रही। इस पैकेज का उपयोग श्रीलंका के प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और विशेष रूप से भारतीय मूल के तमिल समुदाय के पुनर्वास के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रपति दिसानायके ने संकट के समय भारत की त्वरित मदद की सराहना की।

50 हजार परिवारों का सपना हुआ पूरा : अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति ने एक सामुदायिक स्वागत समारोह में शिरकत की, जहां उन्होंने वर्चुअल माध्यम से 'भारतीय आवास परियोजना' के तीसरे चरण के तहत निर्मित घरों को लाभार्थियों को सौंपा। इस उपलब्धि के साथ ही अब तक श्रीलंका में भारतीय सहायता से कुल 50,000 घर बनाए जा चुके हैं। उपराष्ट्रपति ने बताया कि चौथे चरण के तहत 10,000 और घरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। भारत और श्रीलंका के बीच लंबे समय से लंबित मछुआरों के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं ने गंभीरता से चर्चा की। दोनों देशों के मछुआरों के हितों को ध्यान में रखते हुए, इस विवाद को मानवीय आधार पर सुलझाने और आपसी विश्वास बढ़ाने पर सहमति बनी।

राजनीतिक मुलाकातों का सिलसिला : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से भी मुलाकात की, जिन्होंने उनके सम्मान में 'टेम्पल ट्रीज़' में दोपहर भोज का आयोजन किया। इसके अलावा, विपक्ष के नेता साजित प्रेमदासा और विभिन्न तमिल राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी उनसे भेंट की। प्रेमदासा ने भारत को श्रीलंका का सच्चा साझेदार बताते हुए भविष्य की चुनौतियों से मिलकर लड़ने की बात कही। कल सोमवार को उपराष्ट्रपति नुआरा एलिया के दौरे पर रहेंगे, जहां वे जमीनी स्तर पर आवास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे और स्थानीय तमिल समुदाय से सीधा संवाद करेंगे। उपराष्ट्रपति के इस दौरे के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि अब श्रीलंका में रहने वाले भारतीय मूल के प्रवासियों की पांचवीं और छठी पीढ़ी भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र होगी, अब श्रीलंकाई अधिकारियों की ओर से जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र और पुराने पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को भी कार्ड प्राप्त करने के लिए वैध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी इस यात्रा में उपराष्ट्रपति ने चक्रवात दितवा के लिए 450 मिलियन डॉलर की सहायता और आवास परियोजनाओं की समीक्षा करने के साथ-साथ मछुआरों के मुद्दे पर भी मानवीय दृष्टिकोण से चर्चा की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का श्रीलंका दौराः तेल पाइपलाइन पर चर्चा, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर

कोलंबो, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के बीच बैठक हुई। इसमें भारत और श्रीलंका को तेल पाइपलाइन से जोड़ने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, आवास परियोजनाओं और मछुआरों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विस्तार से बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को यह जानकारी दी। विदेश सचिव ने कहा, भारत की ओर से ऊर्जा केंद्र परियोजना और श्रीलंका के त्रिंकोमाली में प्रस्तावित योजनाओं पर भी विचार किया गया। साथ ही दोनों देशों को जोड़ने वाली तेल पाइपलाइन के अहमियत पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच यह संपर्क और भी अहम हो जाता है। मिस्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारंपरिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक संकट और हाल की आपदाओं में भारत की ओर से दी गई मदद को भी याद किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका में जारी भारत की विकास परियोजनाओं और विशेषकर दित्वाह चक्रवात राहत पैकेज पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने मछुआरों के मुद्दों पर मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकालने पर सहमति जताई, ताकि दोनों तरफ के मछुआरा समुदायों की आजीविका सुरक्षित रहे। भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदारः

साजित प्रेमदासा श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के सम्मान में दोपहर के भोज का आयोजन किया। इस दौरान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। वहीं, विपक्षी नेता साजित प्रेमदासा ने कहा, भारत व श्रीलंका साझा इतिहास व भविष्य के वास्तविक साझेदार हैं। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंकाई तमिल और भारतीय मूल के तमिल नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने राहत प्रयासों के लिए भारत का आभार जताया। इस दौरान डिजिटल पहचान पत्र (आईडी) परियोजना व आर्थिक सहयोग समझौते जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। आवास विकास परियोजना के लाभार्थियों को सौंपी चाबी अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की। उन्होंने आवास विकास परियोजना के तमिल समुदाय के लाभार्थियों को घरों की चाबी ऑनलाइन सौंपी। उन्होंने तमिल और सिंहली नववर्ष का जिक्र करते हुए दोनों देशों की परंपरागत एकता पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर और काथिरेसन मंदिर के भी दर्शन किए, जहां उनका पारंपरिक संगीत और नृत्य से स्वागत किया गया। उनका यह दौरा भारत-श्रीलंका के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, यूएस-ईरान टकराव बढ़ने का दिखा असर; तेहरान टैंकर जब्त होने से भड़का

तेहरान, एजेंसी। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने ईरानी-झंडे वाले टैंकर को जब्त कर लिया है। इस घटना के बाद ईरान की सेना ने त्वरित प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस कार्रवाई को युद्धविराम समझौते का उल्लंघन और समुद्र में डकैती जैसा कृत्य बताया गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल दर्ज की गई है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार फिर से शुरू होने पर अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6.4 फीसदी बढ़कर 87.88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.5 फीसदी बढ़कर 96.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। दरअसल, ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण ईंधन लदे टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते गुजर नहीं पा रहे। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस जलमार्ग पर अमेरिका ने भी नाकाबंदी कर रखी है। इससे लगातार तनाव बढ़ रहा है। दो दिनों से अधिक समय से बरकरार उम्मीदों और निराशाओं के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखी गई।

होर्मुज खुलने पर कच्चे तेल की कीमतें घटीं, तनाव बढ़ने पर जहाजों पर गोलीबारी : हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान ने वाणिज्यिक यातायात के लिए होर्मुज को पूरी तरह से खोलने की बात कही थी। इस सकारात्मक पहल के बाद कच्चे तेल की कीमतें 9 फीसदी से अधिक गिरी थीं। हालांकि, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखेगी तो ईरान की सेना-द्वत्रनष्ट ने होर्मुज को दोबारा बंद करने का एलान कर दिया। शनिवार को तेहरान के इस फैसले के बाद ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कई जहाजों पर गोलीबारी भी की। इसमें भारत के भी दो जहाज शामिल रहे, जिस पर विदेश मंत्रालय ने चिंता भी जताई। टकराव बढ़ने के बीच ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिका ने नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी-झंडे वाले मालवाहक जहाज को जब्त किया है।

चेतावनी नजरअंदाज कर नाकाबंदी का उल्लंघन : ईरानी ध्वज वाले पोत को जब्त किए जाने के संबंध में अमेरिकी सेना की तरफ से जारी बयान के मुताबिक जहाज पर गोलीबारी के बाद उसे जब्त कर लिया गया। अमेरिका के मुताबिक कई बार दी गई चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए जहाज नाकाबंदी रेखा पार कर गया। इस उल्लंघन के बाद सेना ने जहाज को जब्त कर लिया। खास बात ये है कि पिछले सप्ताह ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू करने के बाद अमेरिका ने पहली बार जहाज को जब्त किया है। अमेरिका ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से रोका ईरानी जहाज इस संबंध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी नौसेना ने मिसाइल विध्वंसक पोत की मदद से 'टौस्का' नाम के जहाज को रोका। नौसेना की कार्रवाई के दौरान जहाज के इंजन रूम को नुकसान हुआ, जिसके बाद ईरानी जहाज को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को छह घंटे की अवधि में कई बार नाकाबंदी का उल्लंघन न करने की चेतावनी दी गई थी। पाकिस्तान में प्रस्तावित शांति वार्ता पर सवालिया निशान होर्मुज में तनाव के बीच जहाज जब्त किए जाने की इस घटना से चिंता बढ़ने लगी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा पर भी सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को पाकिस्तान जाएंगे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.